E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -128 | प्रयागराज, मंगलवार 29 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

बाराबंकी के औसानेश्वर मंदिर में भगदड़,2 की मौत,जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से हादसा,29 श्रद्धालु घायल

बाराबंकी। यूपी में बाराबंकी के औसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रविवार रात 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए।सीएमओ अवधेश यादव ने बताया- हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। 5 गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है।डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया- कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टिन शेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। करंट लगने से प्रशांत कुमार (16) और रमेश कुमार (35) की मौत हुई है।योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। औसानेश्वर मंदिर जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के वक्त लाइन में करीब 3 हजार लोग दर्शन के लिए लगे हुए थे।बता दें, रविवार सुबह हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भी भगदड़ मच गई थी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।हादसे में घायल पलक की मां ने जिला अस्पताल पहुंचे सीएमओ से हाथ जोड़कर अपनी बेटी के अच्छे इलाज की मांग की। उन्होंने कहा- साहब, मेरी बेटी अस्पताल में पड़ी हुई है, उसका अच्छा इलाज हो जाए बस। हमको और कुछ नहीं चाहिए।ण्श्ध अवधेश यादव ने बताया- हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। 5 गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- बहुत दुखद है। जो लोग घायल हुए हैं। वे जल्दी से जल्दी स्वस्थ हों। कल उत्तराखंड में मनसा देवी माता के मंदिर में दुर्घटना हुई। आज बाराबंकी में हो गई। बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है। लोगों की श्रद्धा, आस्था बढ़ी है। लोग बड़ी संख्या में मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं, व्यवस्था में और अधिक सुधार करने की आवश्यकता है, सुधार किया जाएगाहादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया। मृतक के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक सहायता के निर्देश दिए हैं।पुलिस ने बताया- हादसे में मरने वालों की पहचान रमेश कुमार (35) और प्रशांत कुमार (16) के रूप में हुई है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।हादसे में मारे गए रमेश के भाई मूलचंद ने बताया- मंदिर में लाइन के पास ही एक तार से धुआं उठ रहा था। हमने पुलिसवालों से कहा था कि इसे ठीक करवा दें, लेकिन उन्होंने कहा कि लोड ज्यादा है, इसलिए धुआं उठ रहा है। इसके बाद वही तार टूटकर टिन शेड पर गिरा, जिससे करंट दौड़ गया। मेरे भाई की करंट लगने से मौत हो गई।चश्मदीद शालिनी देवी ने बताया- हम लोग स्नान के बाद मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे। तभी मंदिर पर रखी टिन शेड पर पुलिस ने डंडा मारा। जिससे बिजली का तार टूटकर गिर गया। जिससे कई लोगों को करंट लग गया।मैं मौके पर ही थी, सैकड़ों लोगों की भीड़ थी। मेरी दीदी को करंट लगा, मुझे भी करंट लगा। मैं तो बच गई, लेकिन मौसी बेहोश हो गई।मंदिर कमेटी सदस्य के महंत विजय गिरि ने बताया- रात 1 बजे मंदिर खोला गया। 1 घंटे बाद बंदरों ने तार तोड़ दिया। इसी वजह से हादसा हो गया। हादसे के वक्त 2 हजार से ज्यादा श्रद्धालु थे।मौके पर मौजूद कुछ श्रद्धालुओं में चर्चा थी कि एक बंदर के बिजली के तार पर कूद गया, जिससे तार टूटकर मंदिर के टीनशेड से टकरा गया। इसकी वजह से करंट फैल गया और करंट की बात सुनकर भगदड़ मच गई। घटना के बाद सभी घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचा दिया। दो घंटे बाद मंदिर के हालात फिर से सामान्य हो गए। श्रद्धालु लाइन में लगकर फिर से जलाभिषेक कर रहे हैं।बाराबंकी के औसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सभी को अस्पताल पहुंचा दिया गया है।हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह 9:15 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। एक चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ।

चिदंबरम ने पूछा- कैसे पता पहलगाम आतंकी पाकिस्तान से आए,एनआईए के पास इसका क्या सबूत, हमलावर देश के ही हो सकते हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर 2 दिन पहले दिए बयान पर विवाद हो रहा है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया। चिदंबरम ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा, 'वे (एनआईए) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया? क्या एनआईए ने आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। इसका कोई सबूत नहीं है।' इधर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दी की है। जब भी हमारी सेना पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती है। कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के वकील ज्यादा लगते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कांग्रेस हमेशा दुश्मन को बचाने में जुट जाती है। पी चिदंबरम के इंटरव्यू की 2 बड़ी बातें-

प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहेः सरकार सवालों से क्यों बच रही है। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। आपको क्या लगता है कि लोकतंत्र के मंदिर में बहस करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों है? सरकार को बताना चाहिए युद्धविराम कैसे हुआः कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या सरकार इस बात से असहज है कि उनसे पूछा जाएगा कि युद्धविराम कैसे हुआ। क्योंकि सच कहूं तो इसकी घोषणा भारत सरकार ने नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी। चिदंबरम के बयान पर भाजपा नेताओं के रिएक्शन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- कांग्रेस अब गद्दार संगठन बन चुकी है। आज जो कांग्रेस अपनी आजादी की लड़ाई में भागीदारी पर गर्व करती है, उसकी क्या हैसियत रह गई है। राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं। इनके ऊपर भारी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इन्होंने देश को बेचने की ठान ली थी, लेकिन बीच में प्रधानमंत्री मोदी आ गए। अब ये मजबूत नेतृत्व पचा नहीं पा रहे हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल- उन्हें यह सवाल राज्यसभा में पूछना चाहिए। जब चर्चा सदन में होनी है, तो वह इसे बाहर क्यों उठा रहे हैं। भारत सरकार आज लोकसभा में उनके हर सवाल का जवाब देगी।संसद के मानसून सत्र के छठे दिन सोमवार को लोकसभा में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लगातार चर्चा होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे बहस की शुरुआत करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री जयशंकर भी विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे। विपक्ष की ओर से लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत अन्य सांसद सरकार से सवाल करेंगे। विपक्षी सांसद मानसून सत्र के पहले दिन से ही पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और ट्रम्प का सीजफायर दावा पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

संगम नगरी में सावन के सोमवार पर ट्रैफिक प्लान,शहर के अंदर यात्री धूमनगंज और फाफामऊ रूट से जाएं,शास्त्री ब्रिज से बचें

प्रयागराज। कांवड़ यात्रा के दौरान, प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए रूट डायवर्जन किया गया है। यात्रियों को कानपुर, लखनऊ, या अन्य शहरों से आने वाले भारी वाहनों के लिए निर्धारित मार्गों का पालन करना होगा। शहर के भीतर, यात्रियों को धूमनगंज और फाफामऊ मार्ग का उपयोग करना चाहिए और शास्त्री ब्रिज के प्रयोग से बचना चाहिए। अलोपीबाग चुंगी से लेकर वाराणसी तक वन वे होने की वजह से रास्ते व्यस्त हैं। सावन का तीसरा सोमवार होने के कारण सड़कों पर ज्यादा भीड़ रहेगी। ऐसे में जरूरी काम से ही बाहर निकले। निम्नलिखित मार्गों का पालन करें- कानपुर से वाराणसीः- कानपुर से आने वाले भारी वाहन कानपुर-रामादेवी-जार्जमऊ-शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग बदरका, अचलगंज, बीघापुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर और फिर वाराणसी जाएंगे। कौशांबी से वाराणसी- कौशांबी से आने वाले वाहन प्रयागराज बाईपास से सोरांव कट से उतरकर भुपिया मऊ (प्रतापगढ़), मुंगराबादशाहपुर, मछलीशहर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। लखनऊ से वाराणसी- लखनऊ से आने वाले भारी वाहन रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ़, जौनपुर के रास्ते वाराणसी जाएंगे। शहर के भीतर- शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों को धूमनगंज और फाफामऊ मार्ग का उपयोग करना चाहिए और शास्त्री ब्रिज का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। वाराणसी से प्रयागराजः- वाराणसी से आने वाले वाहन हंडिया-सहसों-फाफामऊ से प्रयागराज में प्रवेश करेंगे।जौनपुर से प्रयागराजः- जौनपुर से आने वाले वाहन फूलपुर-सहसों-फाफामऊ से प्रयागराज में प्रवेश करेंगे। प्रमुख मार्गों पर ऑरेंज और ब्लू लाइन का प्रयोग सुनिश्चित किया गया हैं। इसी कड़ी में जीटी जवाहर अलोपी बाग चुंगी से वाराणसी मार्ग पर भी टी प्रयागराज सीमा तक बांए लेन पर सभी भारी एवं कॉमर्शियल वाहनों का पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। खासतौर पर 21 जुलाई 2025 को द्वितीय सोमवार के लिए रूट डायवर्जन भी किया गया है। जो 22 जुलाई रात 10 बजे तक चलेगा। दूसरे जिले जाने वाले रास्तों पर जारी किए निर्देश-इसके अलावा दूसरे जिले को जाने वाले रास्तों पर भी निर्देश जारी किए गए हैं। कानपुर से वाराणसी जाने वाले वाहन रामादेवी, जार्ज मऊ, शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग से होकर जाएंगे। वापसी भी इसी मार्ग से होगी। कौशाम्बी के वाहन प्रयागराज बाईपास से सोरांव कट के रास्ते भुपिया मऊ, मुगरा बादशाहपुर, मछली शहर होते हुए वाराणसी पहुंचेंगे। लखनऊ से आने वाले वाहनों का मार्ग रायबरेली, सलोन, प्रतापगढ़, जौनपुर से होकर वाराणसी पहुंचेगा। इसी रास्ते से वापसी भी होगी।इसी तरह, प्रतापगढ़, रीवां, चित्रकूट, बांदा, फतेहपुर, और कोख राज जैसे मार्गों पर भी विशेष डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई है। शहर के अंदर लोड एवं अनलोड वाहनों का प्रवेश धूमनगंज और फाफामऊ मार्ग से ही होगा, जबकि शास्त्री ब्रिज का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। वाराणसी और जौनपुर से आने वाली रोडवेज बसें भी संबंधित मार्गों से प्रयागराज प्रवेश करेंगी।कांवड़ यात्रा को लेकर जारी किया रूट डायवर्जन-सभी यातायात संचालकों एवं यात्रीगण से अनुरोध है कि इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी भारी एवं कॉमर्शियल वाहनों का प्रवेश इस अवधि में प्रतिबंधित रहेगा। इससे कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित न हो और श्रद्धालुओं को सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो सके, इस हेतु सभी संबंधित विभाग सक्रिय हैं।यह दिशा- निर्देश यात्रा के सुगम संचालन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यातायात नियमों का कठोर पालन कर यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा से बचा जा सकता है।

अपहरण करके युवक को झाड़ियों में फेंका,25 जुलाई से लापता गंभीर हालत में मिला,अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज। गंगानगर के बहारिया थाना क्षेत्र में अपराधियों का दुस्साहस एक बार फिर सामने आया है। 25 जुलाई 2025 से लापता चल रहे शिव जीत यादव उर्फ बंसल को अपहरणकर्ताओं ने मरणासन्न हालत में सरायचंडी इलाके की झाड़ियों में फेंक दिया। यह घटना शुक्रवार सुबह सामने आई जब ग्रामीण शौच के लिए निकले और उन्होंने झाड़ियों में घायल अवस्था में पड़े एक युवक को देखा।पहचान होने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना बहारिया पुलिस और शिव जीत यादव के परिजनों को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को एम्बुलेंस की मदद से तत्काल अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार युवक की हालत गंभीर है लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

भागवत बोले-भारत को सोने की चिड़िया नहीं, शेर बनना है,दुनिया ताकत की भाषा समझती है,विश्व गुरु भारत कभी भी युद्ध का कारण नहीं बनेगा

कोच्चि। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमें फिर से सोने की चिड़िया नहीं बनना है, बल्कि हमको शेर बनना है। दुनिया शक्ति की ही बात समझती है और शक्ति संपन्न भारत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए और उसे कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने की क्षमता प्रदान करे। भागवत ने ये बातें केरल में शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कहीं। उन्होंने कहा- 'हमेशा 'भारत' ही कहना चाहिए, न कि इसका अनुवाद करना चाहिए। विकसित, विश्व गुरु भारत कभी भी युद्ध का कारण नहीं बनेगा।'भागवत के भाषण की 2 अहम बातें- 1. मनुष्य के पास भगवान या राक्षस बनने का विकल्प मोहन भागवत ने कहा कि मनुष्य के पास भगवान या राक्षस बनने का विकल्प है। राक्षस बनकर वह अपनी और दूसरों की जिंदगी बर्बाद करता है, जबकि भगवान बनकर वह स्वयं और समाज का उत्थान करता है। शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को सही दिशा में ले जाना है, ताकि वह भूखा न रहे और आत्मनिर्भर बन सके। शिक्षा केवल आजीविका तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह व्यक्ति को नैतिक और सांस्कृतिक रूप से भी सशक्त बनाए। 2. भारत युद्ध का कारण नहीं बनेगा भागवत ने स्पष्ट किया कि विकसित भारत और विश्व गुरु भारत कभी युद्ध का कारण नहीं बनेगा, बल्कि यह विश्व में शांति और समृद्धि का संदेशवाहक होगा। भारत की यह पहचान उसकी शिक्षा प्रणाली और सांस्कृतिक मूल्यों से और मजबूत होगी। भागवत बोले- आज का इतिहास पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखा गयाराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने चार दिन पहले पाठ्यक्रमों में बदलाव की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत को सही रूप में समझने और प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। भागवत ने कहा- आज जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखा गया है। उनके विचारों में भारत का कोई अस्तित्व नहीं है। विश्व मानचित्र पर भारत दिखता है, लेकिन उनकी सोच में नहीं। उनकी किताबों में चीन और जापान मिलेंगे, भारत नहीं। आरएसएस चीफ ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध के बाद शांति की बातें की गईं, किताबें लिखी गईं और राष्ट्र संघ (League of Nations) बना, लेकिन दूसरा विश्व युद्ध हुआ। फिर संयुक्त राष्ट्र बना, लेकिन आज भी लोग चिंतित हैं कि कहीं तीसरा विश्व युद्ध न हो जाए। संघ प्रमुख मंगलवार को दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास के कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा- दुनिया को अब एक नई दिशा की जरूरत है और यह दिशा भारतीयता से ही मिलेगी। भारतीयता सिर्फ नागरिकता नहीं RSS प्रमुख ने कहा कि भारत का मतलब केवल किसी भौगोलिक सीमा में रहना या नागरिकता पाना नहीं है। भारतीयता एक दृष्टिकोण है, जो पूरे जीवन के कल्याण की सोच रखता है। धर्म पर आधारित यह दृष्टिकोण चार पुरुषार्थों - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन का हिस्सा मानता है। इनमें मोक्ष अंतिम लक्ष्य है। भारत कभी सबसे समृद्ध राष्ट्र था भागवत ने कहा कि धर्म की इसी जीवन दृष्टि के चलते भारत कभी दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र था। आज भी पूरी दुनिया उम्मीद करती है कि भारत उसे रास्ता दिखाएगा। इसलिए हमें खुद को और अपने राष्ट्र को तैयार करना होगा। शुरुआत खुद से और अपने परिवार से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वे अपने दैनिक जीवन में भारतीय दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने सुधार और बदलाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

बबुआ पांडे और अखिलेश की बढ़त मजबूत,इलाहाबाद हाईकोर्ट बार चुनाव में वोटों की गिनती, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पर घमासान

प्रयागराज। खबर लिखे जाने तक हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव में अध्यक्ष व महासचिव पद के लिए रविवार शाम तक 3993 वोटों की गिनती में अध्यक्ष पद पर राकेश पांडे बबुआ ने त्रिकोणीय मुकाबले में एवं महासचिव के लिए अखिलेश शर्मा ने सीधे संघर्ष में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा, चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेन्द्र बहादुर सिंह के अनुसार अध्यक्ष पद पर राकेश पांडे बबुआ 1029 वोटों के साथ सबसे आगे थे। सीपी उपाध्याय 878 वोट पाकर दूसरे और अशोक कुमार सिंह 856 मतों के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे थे। रविवार शाम तक की मतगणना में इस पद के अन्य प्रत्याशियों में अमित कुमार ने 143, एसी तिवारी ने 118, देवी प्रसाद सिंह ने 19, लालधारी राजभर ने 46, प्रभाशंकर मिश्र ने 256, संतोष कुमार त्रिपाठी ने 63, सुरेश चंद्र पांडेय ने 84 और वीर सिंह ने 486 वोट प्राप्त किए थे।महासचिव पद पर अखिलेश कुमार शर्मा 1361 वोट लेकर अन्य प्रत्याशियों से आगे चल रहे थे। राय साहब यादव 993 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर थे। अन्य प्रत्याशियों में धर्मेंद्र प्रताप सिंह को 385, हरिंद्र प्रसाद को 75, जमील अहमद आजमी को 148, संतोष कुमार मिश्र को 557, शशि प्रकाश सिंह को 302 एवं उदय शंकर तिवारी को 147 मत मिले थे। मतगणना में एडवोकेट शैलेंद्र सिंह राठौर, संतोष कुमार मिश्र, विक्रम बहादुर सिंह, अरविंद सिंह व राजेंद्र कुमार पांडेय ने भी सहयोग किया। इन दोनों पदों पर आगे की मतगणना लाइब्रेरी हॉल में सोमवार सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव प्रशासन व संयुक्त सचिव लाइब्रेरी के वोटों की गिनती कंदर्प नारायण मिश्र हॉल में होगी।

मनकामेश्वर मंदिर पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा,मंदिरों में लगी लंबी लाइन

प्रयागराज। आज सावन का तीसरा सोमवार है। प्रयागराज के मनकामेश्वर महादेव मंदिर में प्रशासन ने हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। अन्य मंदिरों में सुबह से शिव भक्तों की कतार लगी है। कांवड़ उठाए 'बम बम भोले, 'जय शिव' का नारा लगा कर आगे बढ़ रहा है। शिव भक्तों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न उठानी पड़े। इसके लिए सुबह से पुलिस, आरपीएफ और पीएसी के जवान तैनात हैं।ड्रोन से निगरानी, हर कोने पर नजरकांवड़ यात्रा में शामिल शिव भक्तों को जिन रास्तों से होकर जाना है। वहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है। ड्रोन व ट्रिपल आई सी कैमरे से निगरानी कराई जा रही है। डीएम व पुलिस कमिश्नर सुबह से ही कंट्रोल रूम में बैठ कर शिव प्रबंध की कमान संभाले हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रशासन ने 5 क्विक रिस्पॉन्स टीमें बनाई हैं। जो किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया दे सकेंगी। इन टीमों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। ये 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगी।प्रयागराज में कांवड़ियों पर पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। संगम क्षेत्र, बड़े हनुमान जी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, दशाश्वमेध घाट और अन्य घाटों पर हेलिकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूल बरसाए।प्रयागराज के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में आज सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। प्रशासन द्वारा यहां पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पुष्पवर्षा के दौरान श्रद्धालु काफी खुश और जयकारे लगाते दिखे।प्रयागराज के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। सावन के पावन अवसर पर भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं और माहौल भक्तिमय हो गया है। मंदिर में दर्शन की व्यवस्था पुलिस और सिविल डिफेंस की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। सुरक्षाकर्मियों की तैनाती से भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है और मंदिर परिसर में प्रवेश और निकास के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

डिंपल पर टिप्पणी से इकरा हसन भड़कीं:बोलीं- मौलाना धर्म का ठेकेदार नहीं, समाज से निकालो, बांसुरी स्वराज ने पूछा- अखिलेश मौन क्यों?

लखनऊ। संसद के मानसून सत्र का आज छठा दिन है। एनडीए सांसदों ने डिंपल यादव पर टिप्पणी करने वाले ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा- डिंपल पर जिस तरह की अभद्र टिप्पणी की गई। मैं पूछना चाहती हूं कि पूरा विपक्ष इस पर चुप क्यों है? सपा चुप क्यों है? उनके पति अखिलेश यादव ने इस बयान का खंडन क्यों नहीं किया? मैं पूछना चाहती हूं कि क्या एक महिला सांसद की गरिमा से ज्यादा महत्वपूर्ण तुष्टिकरण हो गया है? इधर, कैराना से सपा सांसद इकरा हसन डिंपल पर टिप्पणी पर भड़क गईं। कहा- ऐसी टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक बात है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इनका सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए, ये कोई धर्मगुरु नहीं हैं, किसी धर्म के ठेकेदार नहीं हैं। इन्हें किसी भी महिला पर ऐसी टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, मौलाना साजिद रशीदी ने एक टीवी शो के दौरा कहा था- मस्जिद में 2 मोहतरमा आई थीं। एक ने तो खुद को ढक रखा था। दूसरी मोहतरमा डिंपल यादव, उनकी पीठ की फोटो देख लीजिए।बिहार में वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर सपा सांसदों ने कांग्रेस के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधा। कहा- अगर काम न करने वालों का कोई रिकॉर्ड माना जाएगा, तो यूपी के मुख्यमंत्री सबसे आगे होंगे। अभी तो दिल्ली वालों को भी नहीं पता कि वे अंदर ही अंदर सुरंग खोद रहे हैं। लखनऊ वाले भी अंदर ही अंदर सुरंग खोद रहे हैं। अखिलेश ने डिप्टी सीएम के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- यह जो नमाजवादी कहते हैं, उन्हें शायद पता नहीं कि बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावक पांच वक्त के नमाजी थे। वहीं, पहलगाम हमले को लेकर अखिलेश ने सवाल उठाया- आखिर हमला करने वाले गए कहां? जमीन खा गई या आसमान निगल गया?सपा सांसद इकरा हसन ने सपा सांसद डिंपल यादव पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी की टिप्पणी पर कहा- एक महिला जनप्रतिनिधि, सबसे बड़ी पंचायत की सदस्य पर ऐसी टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक बात है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इनका सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए, ये कोई धर्मगुरु नहीं हैं, किसी धर्म के ठेकेदार नहीं हैं। इन्हें किसी भी महिला पर ऐसी टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।डिंपल यादव ने उनके खिलाफ मौलाना साजिद रशीदी की टिप्पणी को लेकर एनडीए नेताओं के विरोध प्रदर्शन पर कहा- अच्छा होता यदि वे लोग मणिपुर जैसी घटना के खिलाफ भी इसी तरह प्रदर्शन करते और महिलाओं के साथ खड़े होते। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा के नेता और बड़े-बड़े मंत्रियों ने मंच से हमारे सेना के अफसरों के लिए जिस तरह की बयानबाजी की, अगर उनके खिलाफ वे (एनडीए नेता) खड़े दिखाई देते तो ज्यादा अच्छा होता।दिल्ली की भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा- कल डिंपल यादव पर जिस तरह की अभद्र टिप्पणी की गई, उसके बाद मैं पूछना चाहती हूं कि पूरा विपक्ष इस पर चुप क्यों है? समाजवादी पार्टी चुप क्यों है? उनके पति ने आकर इस बयान का खंडन क्यों नहीं किया? मैं पूछना चाहती हूं कि क्या एक महिला सांसद की गरिमा से ज्यादा महत्वपूर्ण तुष्टिकरण हो गया है?भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा- डिंपल हमारी सांसद हैं, भले ही हमारी विचारधाराएं और हमारी पार्टी अलग-अलग हैं, लेकिन जिस तरह की अपमानजनक टिप्पणी उन पर की गईं और उसके बाद भी कांग्रेस और सपा का इतना तुष्टिकरण है कि वे मौलाना के खिलाफ कुछ नहीं कह रहे।एनडीए सांसदों ने एक टेलीविजन बहस के दौरान समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी की अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।अखिलेश ने डिप्टी सीएम के बयान पर पलटवार किया। कहा- ये जो मुझे नमाजवादी कहते हैं । उन्होंने बीजेपी का इतिहास नहीं पढ़ा होगा । बीजेपी के सबसे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावक पांच वक्त के नमाजी थे। और जब अधिवेशन हुआ तो उनका खर्च भी कुछ विशेष लोगों ने उठाया। ये आप पता कर लेना।अखिलेश ने कहा - ऑपरेशन सिंदूर में सेना के साहस, बहादुरी और पराक्रम के लिए हम उन्हें बधाई देते हैं। अगर उन्हें मौका मिलता, तो हो सकता है वे पीओके भी ले लेते। सवाल तो यह है कि आखिर बीजेपी सरकार में आतंकवादी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही? जहां तक पहलगाम का सवाल है, जब इस पर चर्चा होगी तो उससे पहले की एक घटना की भी बात करनी होगी। उसकी जानकारी अभी तक जनता को नहीं दी गई है। आप तो जागरूक लोग हैं- पहलगाम में क्या हुआ? उससे पहले जो हमारे जवान शहीद हुए, उनकी सच्चाई और जानकारी हमें अब तक नहीं मिली है। आखिर बार-बार आतंकी घटनाएं भाजपा के शासनकाल में ही क्यों हो रही हैं? सवाल तो यही है। पहलगाम की घटना हुई, तो जो आतंकी थे, उन्हें आसमान खा गया या जमीन खा गई? आखिर वे गए कहां? हमारी विदेश नीति असफल रही है। जब जरूरत पड़ी भारत को तो कोई देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। सरकार को यह फैसला लेना चाहिए कि अगले 10 साल हम चीन का कोई सामान भारत में नहीं आने देंगे। भारत चीन को कितना व्यापार दे रहा है?

संगमनगरी में फिर बढ़ने लगा गंगा-यमुना का जलस्तर,तीसरी बार जलस्तर में वृद्धि होने से कछारी इलाके में फिर घुसने लगा पानी

प्रयागराज।एक बार फिर गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। यह तीसरी बार है जब जलस्तर में कमी होने के बाद फिर दोनों नदियों में वृद्धि हो रही है। पिछले 24 घंटे में गंगा फाफामऊ में 71 सेमी. बढ़ गईं और सोमवार की सुबह गंगा का जलस्तर 80.27 मीटर तक पहुंच गया। इस तरह छतनाग में 24 घंटे में 106 सेमी. की वृद्धि हुई है। अब छतनाग में गंगा का जलस्तर 79.97 मीटर पर पहुंचा है। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी पिछले 24 घंटे में 114 सेमी. बढ़ गया है। यमुना अभी 80.42 मीटर पर बह रही हैं। अब जलस्तर में वृद्धि होने से कछारी इलाके में फिर से बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। तटीय इलाकों में रहने वालों की मुश्किलें बढ़ने लगी है।प्रयागराज में बाढ़ का पानी फिर से बढ़ने से अब बाढ़ राहत शिविरों को फिर एक्टिव किया जा रहा है। उधर जलस्तर बढ़ने से पुलिस की ओर से नाविकों को भी सचेत किया गया है कि जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए नावों का संचालन न हो तो बेहतर किया जाए। जल पुलिस की टीम लगातार भ्रमण कर रही है। जिला प्रशासन की ओर से संबंधित अधिकारियों को सक्रिय रहने के लिए निर्देशित किया गया है।

धूमधाम से महिलाओं ने मनाया हरियाली तीज का कार्यक्रम

आज विश्व मंगल परिवार सेवा संस्थान, वृंदावन, शाखा रायबरेली के द्वारा हरियाली तीज के कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पूज्य देवी माहेश्वरी 'श्रीजी' का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और हरियाली तीज के महत्व के बारे में बताया गया विश्व मंगल परिवार संस्थान रायबरेली में विभिन्न तरह के आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ज्योति श्रीवास्तव डॉक्टर शालिनी सिंह इंजीनियर अंजली श्रीवास्तव ने किया वो सक्रिय भूमिका में निशा श्रीवास्तव अदिता सिंह मनीष अग्रवाल रश्मी बंसल पल्लवी अग्रवाल अमिता श्रीवास्तव के साथ अन्य महिलाएं भी उपस्थित रही

तीन बच्चों के पिता का फंदे पर लटका मिला शव,पति पत्नी में हुआ था विवाद, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना इलाके में एक युवक का शव उसके कमरे में लटका मिला है। मृतक की पहचान उदय सिंह पटेल उर्फ नेता (30) के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों का पिता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने उदय का शव कमरे में छत के चुल्हे से लटका देखा। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए। मृतक के परिजनों के अनुसार, उदय गांव में खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था।उदय गांव के लोगों के छोटे-मोटे कामों में मदद किया करता था। इसी कारण गांव के लोग उसे 'नेता' कहने लगे थे। रिश्तेदार अनूप कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से आर्थिक कारणों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। परिजनों को आशंका है कि पत्नी के ताने से तंग आकर उदय ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिवार की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को कब्जे में ले लिया है।थाना प्रभारी पूरामुफ्ती ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतक के परिवार से मिलने वाली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस आरोप के घेरे में आई पत्नी और बच्चों से भी पूछताछ कर रही है।

'महा बेरोजगार भंडारा' के जरिए सरकार पर निशाना,प्रयागराज में अनूठे अंदाज में टीजीटी-पीजीटी के अभ्यर्थी करेंगे विरोध प्रदर्शन, प्रदेश भर के अभ्यर्थी होंगे शामिल

प्रयागराज। टीजीटी-पीजीटी भर्ती परीक्षा न कराए जाने के विरोध में अभ्यर्थी अब अनूठे अंदाज में विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। आज 29 जुलाई को प्रयागराज के पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल पर 'महा बेरोजगार भंडारा' का आयोजन होने जा रहा है। अगुवाई करने वाले युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा, इसके माध्यम से छात्र सरकार को यह संदेश देने का प्रयास करेंगे कि 'अगर हमारी मांगों को अनसुना किया गया, तो हम अब चुप नहीं रहेंगे। हम अब भोजन देंगे, लेकिन सवालों के साथ। हम अब पत्थर गिराएंगे, लेकिन अहिंसा और विवेक के साथ।'अनिल सिंह ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में टीजीटी-पीजीटी भर्ती को लेकर प्रतियोगी छात्रों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा-2022 में निकली भर्ती को आज तक पूरा न करना, परीक्षा को 4 बार स्थगित करना और बिना किसी ठोस कारण या सार्वजनिक नोटिस के परीक्षा तिथि को लटकाना, यह सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि एक प्रकार का प्रशासनिक अन्याय और युवा सपनों की हत्या है।' आज जब हर दूसरा युवा रोजगार की तलाश में परेशान है, जब प्रतियोगी छात्र अपनी उम्र, ऊर्जा और पैसे खर्च करके सालों तक परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में परीक्षा को अनिश्चितकाल तक टालना और फिर अचानक नए विज्ञापन की बात करना, क्या यह न्याय है? प्रतियोगी छात्रों की है ये मांगें- टीजीटी-पीजीटी 2022 की परीक्षा तिथि तुरंत घोषित की जाए। जो उम्मीदवार आयु सीमा पार कर रहे हैं, उन्हें छूट दी जाए।शासन-प्रशासन इस भर्ती को प्राथमिकता दे और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाए।नया विज्ञापन निकालने से पहले पुरानी भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए।

एआईएमआईएम ने बनाई पंचायत चुनाव को लेकर रणनीति,जनसभा में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर

प्रयागराज। गंगापार क्षेत्र स्थित कौड़ीहार मुबारकपुर के महफूज आलम इंटर कॉलेज में एआईएमआईएम की एक महत्वपूर्ण जनसभा आयोजित की गई। आगामी जिला पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह सभा बुलाई गई। जिसमें पार्टी पदाधिकारियों ने रणनीति तय की और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया।जनसभा की अध्यक्षता पूर्वांचल एआईएमआईएम अध्यक्ष इसरार अहमद ने की। इस दौरान मंच पर पार्टी के प्रदेश एवं पूर्वांचल के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। प्रयागराज महानगर अध्यक्ष सहित कई स्थानीय नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया और पार्टी की नीतियों व आगामी चुनावी तैयारियों की जानकारी दी। सैय्यद मोहम्मद मुन्तज़र, मुजीबुर्रहमान, अफ़सर महमूद, अली शेर खान, अनिल यादव, मेराज अहमद, शारिक कलीम, निसार अहमद, मुश्ताक अहमद, शौकत अली, रियाजुल हक़, मंजूर अहमद, कमलेश कुमार गौतम, सीताराम सरोज समेत कई प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा का संचालन अख्तर इदरीसी ने किया।सभा में जुटी भारी भीड़ से साफ संकेत मिले कि एआईएमआईएम आने वाले पंचायत चुनाव में क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। नेताओं ने अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़े वर्गों को साथ लेकर स्थानीय मुद्दों पर संघर्ष और समाधान की बात कही। पार्टी ने संदेश दिया कि वह स्थानीय जनता की समस्याओं को लेकर गंभीर है और उन्हें राजनीतिक भागीदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है।

झूंसी में दो डंफर से बैटरी चोरी की सनसनीखेज वारदात सीसीटीवी में कैद हुई घटना

प्रयागराज। झूंसी स्थानीय थाना क्षेत्र के नारायण दास पूरा इलाका में फिलिंग स्टेशन में खड़ी दो डंफर से अज्ञात चोर बैट्री चोरी कर फरार हो गए। चोरी की पूरी वारदात फिलिंग स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसमें स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चोर बाइक से बैट्री लादकर भाग रहे है। फिलहाल भुक्तभोगियों ने ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है।बताते चलें कि बीती रात दो डंपर मालिकों, गनेश कुमार यादव और हरिश्चंद्र यादव, के वाहनों से अज्ञात चोरों ने बैटरी चुरा ली। दोनों घटनाएं नारायण दास का पूरा स्थित लक्ष्मी फिलिंग स्टेशन के पास रात 2 बजे से 4बजे के बीच हुईं। दोनों डंपर बारिश के कारण काम बंद होने से कई दिनों से पेट्रोल पंपों के पास खड़े थे। पहली घटना में, गनेश कुमार यादव, पुत्र स्व.जगजीत लाल यादव, निवासी उस्तापुर, महमूदाबाद, के डंपर से रात 2 से 3 बजे के बीच चोरों ने लॉक तोड़कर बैटरी चुरा ली। दूसरी घटना में, हरिश्चंद्र यादव, पुत्र भीम दीनानाथ यादव, निवासी उस्तापुर, महमूदाबाद, झूंसी, के डंपर से 3 से 4 बजे के बीच दोनों बैटरियां चोरी कर ली गईं। दोनों घटनाओं की सीसीटीवी फुटेज पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरों में कैद हो गई, जिसे दोनों पीड़ितों ने प्राप्त कर लिया है। गनेश कुमार यादव ने कहा, 'मेरा डंपर बारिश के कारण नागर फिलिंग स्टेशन के पास खड़ा था। चोरों ने रात में सेंधमारी कर बैटरी चुरा ली। सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपी गई है।' वहीं, हरिश्चंद्र यादव ने बताया, 'मेरे डंपर की दोनों बैटरियां चोर ले गए। यह सारी घटना कैमरे में रिकॉर्ड है। पुलिस से अनुरोध है कि चोरों को पकड़ा जाए और मेरा नुकसान वापस दिलाया जाए।'दोनों पीड़ितों ने स्थानीय पुलिस से उक्त प्रकरणों की जांच कर चोरों को गिरफ्तार करने और चोरी गई बैटरियों की बरामदगी की मांग की है।

समायोजन के लिए शिक्षक कल से कर सकेंगे आनलाइन आवेदन,स्वेच्छा से अन्तः जनपदीय तबादले का एक और मौका, बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव का आदेश

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद उप्र ने परिषदीय विद्यालयों में तैनात प्रधानाचार्य और सहायक अध्यापकों के स्वैच्छिक तबादले के लिए एक और मौका दिया है। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम- 2009 एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली- 2021 के मानकों के आधार पर छात्र, शिक्षक अनुपात की गणना करते हुए प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों की आवश्यकता वाले एवं आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले विद्यालयों को चिह्नित करते हुए वह सूची ऑनलाइन सोमवार को बेसिक शिक्षा के पोर्टल पर प्रदर्शित कर दी जाएगी। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापकों के स्वेच्छा से अंतः जनपदीय स्थानांतरण और समायोजन के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 जुलाई मंगलवार से एक अगस्त तक लिया जाएगा। संबंधित जिलों के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन सत्यापन की 2 अगस्त को किया जाएगा। सचिव ने बताया कि एनआईसी से विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों के स्थानांतरण की कार्रवाई करते हुए तबादले की सूची 4 अगस्त को जारी की जाएगी। सचिव बेसिक शिक्षा परिषद सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि स्वैच्छिक तबादले के लिए प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक आवेदन कर सकते हैं।

'यूपी के बच्चों को अनपढ़ बनाना चाहती है सरकार','आप' का प्रदर्शन, बोले- यूपी में ढपोरशंखों की सरकार चल रही है

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों की दुर्दशा को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को प्रयागराज के पुराना कटरा क्षेत्र में ज़ोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी ने 'स्कूल बचाओ शंख बजाओ' अभियान के तहत योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन नहीं, बल्कि 'ढपोरशंखों की सरकार' चल रही है जो बच्चों को शिक्षा से वंचित करने पर आमादा है। इस अभियान का नेतृत्व प्रयागराज के जिलाध्यक्ष सर्वेश कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने आगे कहा कि- आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी और सरकार की जनविरोधी नीतियों का पर्दाफाश करेगी।प्रदेश सरका के खिलाफ की नारेबाजी प्रदर्शनकारियों ने उच्च प्राथमिक विद्यालय पुराना कटरा के बाहर शंख बजाकर सरकार को जगाने का प्रतीकात्मक प्रयास किया और नारे लगाए ढपोरशंखों को जगाओ, शंख बजाओ स्कूल बचाओ

इस दौरान सर्वेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, योगी सरकार जानबूझकर सरकारी स्कूलों को बंद करवा रही है, ताकि उत्तर प्रदेश के गरीब और सामान्य वर्ग के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएं। लेकिन आप ऐसा नहीं होने देगी। हम डॉ. भीमराव अंबेडकर के 'शिक्षित समाज' के सपने को टूटने नहीं देंगे। आम लोगों का ध्यान खींचा इस प्रदर्शन में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें प्रदेश अध्यक्ष अंजनी कुमार मिश्रा, श्रम प्रकाश, अरुण कुशवाहा, शैलेंद्र पांडे, सौरभ सिंह, रेणुका राय, रितेश सिंह, अवनीश मिश्रा, रविंद्र श्रीवास्तव और मनोज निषाद प्रमुख रूप से शामिल थे।कार्यक्रम ने स्थानीय नागरिकों का ध्यान भी आकर्षित किया। यह मुद्दा शिक्षा के अधिकार को लेकर एक नई बहस की शुरुआत करता नजर आया।

प्रत्येक जनपद में हो 'रविवार की रसोई' प्रयागराज में मदद फाउंडेशन के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलीं राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी

प्रयागराज। रविवार को मदद फाउंडेशन ने अपने तीसरे स्थापना दिवस और सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी के कार्यों की सराहना की और 'रविवार की रसोई' जैसी पहल को पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बताया। सीमा द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा, 'मंगला प्रसाद तिवारी से समाज को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने अपने माता-पिता से मिली सीख को आत्मसात कर मदद फाउंडेशन की स्थापना की, जो समाज के लिए एक प्रेरणा है। रविवार की रसोई जैसी पहल हर जनपद में होनी चाहिए। इस कार्यक्रम में शामिल होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।'इस विशेष अवसर पर, सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 25 समाजसेवियों को प्रतिष्ठित 'मदद भूषण सम्मान' से नवाजा गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रृंगवेरपुर धाम पीठाधीश्वर शांडिल जी महाराज, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस पंकज कुमार, पूर्व प्रवक्ता पंडित कैलाश नाथ तिवारी और डिविजनल ऑफिसर सिविल डिफेंस रौनक गुप्ता भी मौजूद रहे।मदद फाउंडेशन पिछले तीन वर्षों से प्रयागराज में गरीब, जरूरतमंद और निराश्रित लोगों के लिए हर रविवार को 'रविवार की रसोई' के माध्यम से निःशुल्क भोजन और पानी की व्यवस्था कर रहा है। सांसद सीमा द्विवेदी ने इस पहल को एक अनुकरणीय मॉडल बताते हुए इसकी प्रशंसा की।

यूपी में कौन तुड़वा रहा भीमराव अंबेडकर की मूर्तियां? ,प्रयागराज में 4 महीने में 7 घटनाएं

प्रयागराज। प्रयागराज में 80 किमी के दायरे में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों के सिर-हाथ क्षतिग्रस्त किए गए। मूर्तियों को काले कपड़े से ढक दिया गया। अराजक तत्वों ने मूर्ति को उखाड़कर नाले में फेंक दिया। हर वो प्रयास हुआ, जिससे दलित बिरादरी के लोगों का गुस्सा भड़के या वो खुद को असुरक्षित महसूस करें। 4 महीने में 7 से ज्यादा स्पॉट पर डॉ. अंबेडकर की मूर्तियां तोड़ी गईं। यह भी अहम है कि 29 जून को सांसद चंद्रशेखर के

प्रयागराज पहुंचने के बाद बवाल भड़का। इसके 24 घंटे के अंदर 3 जगह अंबेडकर की मूर्तियां तोड़ दी गईं। तकरीबन हर मामले में पुलिस इन्वेस्टिगेशन हुई। 7 में से सिर्फ 1 मामले में पुलिस एक युवक की अरेस्टिंग कर सकी। प्रयागराज में 14.20 लाख दलित वोटर्स में नाराजगी है। सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, लखनऊ के काकोरी, सुल्तानपुर और झांसी के बरुआसागर में इसी तरह अंबेडकर की मूर्तियों को तोड़ा गया। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं- आप ये समझ लीजिए कि मूर्तियों के टूटने का कोई फायदा सत्ताधारी दल को नहीं होने जा रहा। बीजेपी कोशिश कर रही है कि दलित और पिछड़ा वर्ग के लोगों को एक साथ लाया जाए। इन कोशिशों को झटका लगेगा। 1 अप्रैल, मांडा अंबेडकर की मूर्ति का दायां हाथ तोड़ा- अंबेडकर मूर्ति को नुकसान पहुंचाने की शुरुआत 1 अप्रैल से हुई। मांडा इलाके में डॉ.अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर हंगामा हो गया। मांडा के गांव सभा टिकरी में शरारती तत्वों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। मूर्ति टूटी देख ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मेजा एसडीएम दशरथ कुमार, एसीपी रवि कुमार गुप्ता समेत 2 थानों की फोर्स पहुंच गई। बसपा और भीम सेना के कार्यकर्ता भी पहुंचे। 5 घंटे में प्रशासन ने नई मूर्ति लगवा दी। मांडा थाने में ग्रामीणों ने शिकायत दी।27 अप्रैल, हाईकोर्ट (सिविल लाइंस) मूर्ति को नुकसान पहुंचाकर काले कपड़े पहनाए- अराजक तत्वों ने मूर्ति को पूरी तरह से तोड़ा नहीं गया, लेकिन नुकसान पहुंचाया गया। अंबेडकर की मूर्ति को फटे हुए काले कपड़े पहना दिए गए। सिर पर लाल टोपी पहना दी गई। मामला हाईकोर्ट चौराहे का था, ऐसे में वकीलों ने हंगामा किया। घटना के तुरंत बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लिया गया। मूर्ति को अपने पुराने स्वरूप में लाया गया। इसके बाद भी वकील 7-8 दिन तक विरोध जताते रहे। 30 जून, इसौटा इलाका भीम आर्मी के बवाल के बाद मूर्ति तोड़ी- 29 जून को करछना के इसौटा गांव में दलित युवक की हत्या करके जला देने के मामले में सांसद चंद्रशेखर प्रयागराज पहुंचे। सर्किट हाउस में रोके जाने के बाद भीम आर्मी समर्थकों ने तोड़फोड़, आगजनी और बवाल किया था। 30 जून को यमुनापार इलाके के इसौटा गांव में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति तोड़ दी गई। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि ये मूर्ति रात में तेज बारिश की वजह से टूटी है। गुस्साए लोगों को शांत कराने के लिए नई मूर्ति लगवाई गई।30 जून, सोरांव मूर्ति तोड़ने के 4 घंटे के अंदर दूसरी लगवाई- इसके बाद एक घटना गंगापार के सोरांव इलाके में हुई। यहां डॉ. अंबेडकर की मूर्ति अराजक तत्वों ने तोड़ दी। पुलिस और एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। 4 घंटे के अंदर प्रशासन ने दूसरी मूर्ति लगवा दी। पुलिस ने एक एफआईआर भी दर्ज की, जो अज्ञात अराजक तत्वों के खिलाफ थी। लेकिन, पुलिस इस मामले में मूर्ति तोड़ने वालों को सामने नहीं ला सकी। 30 जून, मऊआइमा- मूर्ति उखाड़कर 'गायब' कर दी गंगापार के मऊआइमा इलाके में 30 जून को एक और घटना हुई। ग्राम कटरा दयाराम में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति उखाड़कर गायब कर दी गई। लोग सड़क पर जमा हो गए। हंगामा होने लगा। पुलिस ने इस मामले को संभाला। कामता प्रसाद मौर्य की तहरीर पर मऊआइमा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन मूर्ति का कुछ पता ही नहीं चला। इसके बाद एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने अंबेडकर की नई मूर्ति लगवाकर लोगों को शांत कराया। 20 जुलाई, फूलपुर फूलपुर में आधी रात मूर्ति तोड़ी फूलपुर के कोडापुर में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ा गया। यह सब रात के अंधेरे में हुआ। जब लोगों ने टूटी मूर्ति को देखा, तो पुलिस को खबर दी। पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लालजी गौतम की शिकायत पर मोहम्मद इश्तियाक उर्फ कल्लू, अतीक और मोहम्मद आलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जांच कर पुलिस ने बताया कि रास्ते के विवाद में मूर्ति तोड़ी गई। इसके बाद पुलिस ने नई मूर्ति लगवा दी।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण के तहत ब्लॉक राही में कैम्प का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार ब्लाक सभागार राही रायबरेली मे दिव्यांगजन सशक्तीकरण के तहत कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमे दिव्यांग जन सशक्तीकरण के अधिकारी व मेडिकल की टीम तथा ब्लाक के सभी कार्मिकों ने उपस्थित होकर कैम्प में दिव्यांग जनो का चिन्हीकरण कराने में सहयोग प्रदान किया। सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0बी0) दिनेश कुमार ने बताया कि शिविर में कुल 17 दिव्यांगजनों का पंजीकरण हुआ जिसमें से 01 कान मशीन एवं 07 लोगो को ट्राई साइकिल 04 व्हील चेयर 2 मोटर ट्राई साइकिल एवं 03 यू0डी0आई0डी0 कार्ड को देने हेतु चिन्हीकरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण शिवाशु सिंह, कल्पना श्रीवास्तव साइकोलाजिस्ट, वरिष्ठ सहायक शशी देवी आदि उपस्थित रहे।

विश्व संरक्षण दिवस पर समवेदना फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा। विश्व संरक्षण दिवस के अवसर पर समवेदना फाउंडेशन द्वारा सेक्टर-33, नोएडा स्थित चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण एवं गौरैया संरक्षण विषयक जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जनमानस तक पहुंचाना और नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निम्न गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की आनंद मोहन (निदेशक, उद्यान विभाग, गौतम बुद्ध नगर), रोहित घई (अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए सेक्टर-33), मनीष गुप्ता (सामाजिक कार्यकर्ता),श्रीमती राजेश्वरी त्यागराजन (संस्थापक, त्यागराजा सेंटर एवं समाज सेविका)श्रीमती बबीता (संयुक्त सचिव, अरावली अपार्ट मेंट्स , सेक्टर-52) प्रशांत (संस्थापक, द ग्रीन अर्थ) इस अवसर पर फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। समवेदना ज्ञानशाला के बच्चों ने भी पौधारोपण में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे बच्चों में प्रकृति के प्रति आत्मीयता और जिम्मेदारी का भाव विकसित हुआ।समवेदना फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता गुप्ता ने संस्था द्वारा किए जा रहे गौरैया संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा संबंधी प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'प्रकृति और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को समझते हुए समवेदना फाउंडेशन सतत प्रयासरत है।' कार्यक्रम में संस्था की सक्रिय सदस्य श्रीमती अंजू कंधारी, श्याम गुप्ता, सुश्री पूजा पाल, सुश्री जयंती झा, श्रीमती मनोज कुमारी एवं सुश्री अंजलि की गरिमामयी उपस्थिति रही। समवेदना फाउंडेशन द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न स्वरूप संगिनी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित कढ़ाई वाले थैले, कुल्हड़ में पौधा एवं गौरैया के लिए घोंसला भेंट किए गए। अंत में संस्था ने नोएडा अथॉरिटी के मार्गदर्शन और सहयोग, साथ ही सभी दानदाताओं और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह पुनीत कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

कारगिल के शूरवीरों को शहीद स्मारक पर दी गई श्रद्धांजलि

रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई द्वारा शहीद

स्मारक, रायबरेली पर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन की शुरुआत भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड फौजी श्री नरेंद्र सिंह जी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री बी.के. सिंह जी (रिटायर्ड आर्मी) और श्री दिलीप सिंह जी (रिटायर्ड आर्मी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संरक्षक श्री महेन्द्र अग्रवाल जी और श्री अजय मिश्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों को श्रीराम के बाल स्वरूप का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संयोजक श्री प्रदीप पाण्डेय ने कहा, 'कारगिल विजय दिवस केवल एक युद्ध विजय की स्मृति नहीं, बल्कि देश के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है। मातृभूमि सेवा मिशन का उद्देश्य भावी पीढ़ियों में इसी राष्ट्रप्रेम की भावना को जाग्रत करना है।' मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र सिंह जी ने कारगिल युद्ध की गाथा सुनाते हुए देशभक्ति की भावना को जीवंत किया। बी.के. सिंह जी ने युवाओं को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा दी और दिलीप सिंह जी ने मिशन की सक्रियता की प्रशंसा की। कार्यक्रम का भावनात्मक संचालन भाई ब्रजमोहन जी ने किया। उनकी प्रस्तुति ने सभी को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम में सोनम गुप्ता, सुषमा ,माया, कल्लू राम,राज अग्रहरी, अनूप शर्मा, राजेश यादव, संदीप, अनूप, दिनेश पाण्डेय, प्रकाश, सत्येंद्र सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विश्व संरक्षण दिवस पर समवेदना फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा। विश्व संरक्षण दिवस के अवसर पर समवेदना फाउंडेशन द्वारा सेक्टर-33, नोएडा स्थित चिल्ड्रन पार्क में वृक्षारोपण एवं गौरैया संरक्षण विषयक

जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जनमानस तक पहुंचाना और नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निम्न गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की आनंद मोहन (निदेशक, उद्यान विभाग, गौतम बुद्ध नगर), रोहित घई (अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए सेक्टर-33), मनीष गुप्ता (सामाजिक कार्यकर्ता),श्रीमती राजेश्वरी त्यागराजन (संस्थापक, त्यागराजा सेंटर एवं समाज सेविका)श्रीमती बबीता (संयुक्त सचिव, अरावली अपार्ट मेंट्स , सेक्टर-52) प्रशांत (संस्थापक, द ग्रीन अर्थ) इस अवसर पर फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। समवेदना ज्ञानशाला के बच्चों ने भी पौधारोपण में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे बच्चों में प्रकृति के प्रति आत्मीयता और जिम्मेदारी का भाव विकसित हुआ।समवेदना फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता गुप्ता ने संस्था द्वारा किए जा रहे गौरैया संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा संबंधी प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'प्रकृति और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को समझते हुए समवेदना फाउंडेशन सतत प्रयासरत है।' कार्यक्रम में संस्था की सक्रिय सदस्य श्रीमती अंजू कंधारी, श्याम गुप्ता, सुश्री पूजा पाल, सुश्री जयंती झा, श्रीमती मनोज कुमारी एवं सुश्री अंजलि की गरिमामयी उपस्थिति रही। समवेदना फाउंडेशन द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न स्वरूप संगिनी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित कढ़ाई वाले थैले, कुल्हड़ में पौधा एवं गौरैया के लिए घोंसला भेंट किए गए।

पश्चिमी यूपी में बड़ा राजनीतिक ऐलान, 'सम्मानजनक गठबंधन नहीं तो 100 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव'- डी पी यादव

नोएडा। बाहुबली नेता डीपी यादव ने अपने जन्मदिन के मौके

पर मीडिया से बातचीत के दौरान 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि राजनीति 'संभावनाओं का खेल' है और अगर उन्हें किसी भी पार्टी से सम्मानजनक सीटों का प्रस्ताव मिला तो वह गठबंधन पर विचार कर सकते हैं। लेकिन, यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनकी पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कम से कम 100 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। डीपी यादव का फोकस विशेष रूप से पश्चिमी यूपी के जिलों पर है। उन्होंने दावा किया कि इस क्षेत्र में उनकी पकड़ मजबूत है और जनता उनकी नीतियों पर भरोसा करती है। बातचीत के दौरान उन्होंने नोएडा प्राधिकरण और बिल्डरों पर भी निशाना साधा। उनके अनुसार, 'स्थानीय किसानों को योजनाओं के नाम पर झांसा देकर बेवकूफ बनाया गया। विकास के नाम पर जमीन ली गई लेकिन किसानों को न तो उनका हक मिला और न ही वह विकास हुआ जिसकी उम्मीद थी।' यादव ने कहा कि नोएडा जैसे इलाके में जितनी तेज़ी से औद्योगिक और आवासीय विकास होना चाहिए था, वह नहीं हो पाया। 'किसानों के साथ धोखाधड़ी हुई है। बिल्डर और प्राधिकरण ने अपने फायदे के लिए स्थानीयों की अनदेखी की,' उन्होंने कहा। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि डीपी यादव की यह रणनीति पश्चिमी यूपी की सियासत में नए समीकरण बना सकती है। गठबंधन हुआ तो वह किसी भी पार्टी के साथ हाथ मिला सकते हैं, लेकिन सीटों पर समझौता नहीं करेंगे। 2027 का चुनाव नज़दीक आते-आते यह देखना दिलचस्प होगा कि डीपी यादव किसी दल के साथ तालमेल बैठाते हैं या फिर अकेले मैदान में उतरकर पश्चिमी यूपी की सियासी तस्वीर बदलने का दावा करते हैं।

स्टेशन मास्टर की पत्नी के घर से लाखों के गहने और नकदी चोरा

प्रयागराज/झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के त्रिवेणीपुरम कालोनी

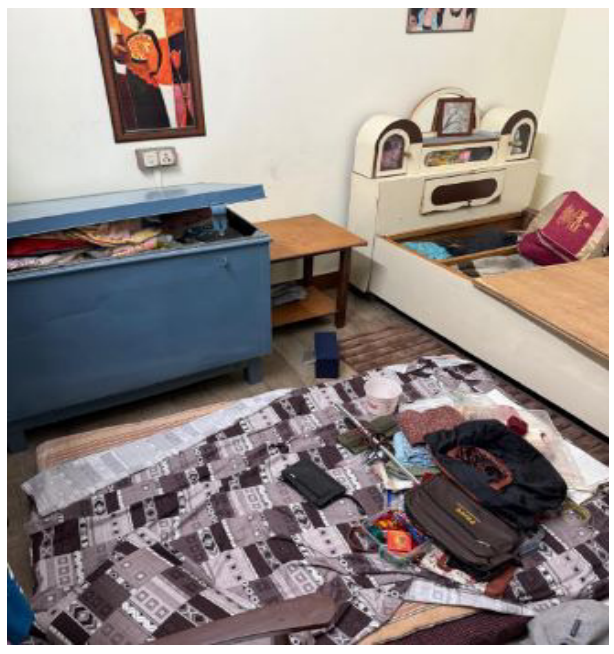

में बीती रात स्टेशन मास्टर के घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने नकदी, सहित लाखों के आभूषण पर हांथ साफ कर फरार हो गए। भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। बताते चलें कि भदोही जिला की निवासी विनीता तिवारी, पत्नी आशीष तिवारी, के किराए के मकान यमुना सेक्टर, त्रिवेणी पुरम में बीती रात चोरों ने सेंधमारी कर लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी कर फरार गए । घटना उस समय हुई जब विनीता रात 11 बजे अपनी अस्वस्थता के कारण अपने भाई अर्जुन तिवारी के घर चली गई थीं, जो उनके मकान से लगभग 500 मीटर दूर है। विनीता के पति आशीष तिवारी रेलवे में स्टेशन मास्टर के पद पर खैरिया डांडी में तैनात हैं। वे उस समय ड्यूटी पर थे। सुबह 7:30 बजे जब विनीता घर लौटीं, तो उन्होंने देखा कि ताला तोड़कर आलमारी, बेड आदि को नुकसान पहुंचाया गया और सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरी गए सामान में लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, जिसमें दो सोने के हार, पांच सोने की चेन, एक मंगलसूत्र, एक पुरुषों की अंगूठी, छह महिलाओं की अंगूठी, बारह नाक की कील, पायल, करधन, बच्चों का चांदी का करधन, साथ ही पंद्रह साड़ियां और 19,000 रुपये नकद शामिल हैं। मकान मालिक के सामान की चोरी का विवरण उनके आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। विनीता ने स्थानीय पुलिस से इस घटना की जांच कर चोरों को पकड़ने और चोरी गए सामान की बरामदगी की गुहार लगाई है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच में जुट गई है।

स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के शंखनाद अभियान की बैठक हुई

रायबरेली। आज स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत

अभियान के शंखनाद अभियान की बैठक हुई जिसमें शहर के प्रमुख संगठनों ने स्वदेशी और स्वावलंबी अभियान को अपना समर्थन प्रदान किया बैठक में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला संरक्षक संदीप जैन जी उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री अतुल गुप्ता जी इंडियन इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष उदित आजाद जी वअन्य उपस्थित रहे धार्मिक संगठनों में श्री रानी सती मंदिर समिति के पदाधिकारी श्री अजय बंसल जी और खाटू श्याम सेवा समिति से प्रतीक अग्रवाल जी उपस्थित रहे सामाजिक संगठनों की तरफ से श्री महेंद्र अग्रवाल जी और अग्रवाल समाज की तरफ से श्री महेश अग्रवाल जी उपस्थित रहे इसके साथ-साथ वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति की तरफ से श्री अरविंद श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे श्री राणा बेनीमाधव समिति की तरफ से श्री आर बी सिंह जी उपस्थित रहे बैठक की अध्यक्षता प्रांत संयोजक श्री अमित सिंह जी ने की जिला संयोजक डॉ अनुभव श्याम श्रीवास्तव डॉ उज्जवल श्रीवास्तव डॉ अनुराग सिंह सुधीर श्रीवास्तव व ब्रह्मदत्त अग्निहोत्री उपस्थित रहे।

हरदोई में 'मेरी मौत का जिम्मेदार सिपाही हैं' ये लिखकर मजदूर ने की खुदकुशी, पुलिस हिरासत में आरोपी सिपाही

हरदोई। जिले में चोरी हुई भैंस वापस दिलाने का लालच देकर

सिपाही ने किसान की पत्नी से नजदीकियां बना लीं। इसका पता चलने पर किसान ने खुदकुशी कर ली। उसका शव रविवार सुबह टड़ियावां थाना क्षेत्र के हरिहरपुर में स्थित मकान के पास पेड़ पर फंदे पर लटकता मिला। खुदकुशी करने से पहले पास ही स्थित एक लोहे के खोखे पर अपनी मौत के लिए सिपाही के जिम्मेदार होने की बात भी लिखी है। पुलिस ने आरोपी सिपाही को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। टड़ियावां थाना क्षेत्र के हरिहरपुर निवासी रंजीत यादव (30) मजदूरी करता था। उसने मवेशी भी पाल रखे हैं। हरिहरपुर चौकी के पीछे की तरफ लगभग पचास मीटर दूर उसका मकान है। यहीं मवेशियों को बांधने का भी इंतजाम है और पेड़ पौधे भी लगे हैं। रंजीत के बड़े भाई दीपू यादव के मुताबिक रविवार सुबह वह तीन बजे सो कर उठे थे। इसी दौरान उन्होंने रंजीत का शव मकान के सामने गूलर के पेड़ पर पत्नी के दुपट्टे के फंदे से लटकता देखा। इसकी जानकारी परिजनों को दी।

वर्धमान बिल्डर के रॉयल वॉकवे प्रोजेक्ट में पजेशन न मिलने पर खरीददारों ने किया प्रदर्शन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में वर्धमान बिल्डर के प्रोजेक्ट रॉयल वॉकवे पर पजेशन ना मिलने से नाराज

खरीददारों ने नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान की अगवाई में धरना प्रदर्शन किया साइट पर बिल्डर के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया । ग्रेटर नोएडा जगत फार्म के पास रॉयल वॉकवे नाम से प्रोजेक्ट लॉन्च कर वर्धमान इंफ्रा बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड ने करीब 500 खरीददारों को धोखा दिया है आपको बता दें कि वर्धमान बिल्डर द्वारा विधि इंफ्रा बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड से समझौता कर गामा 1 सेक्टर में यह प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया. खरीददारों ने बताया प्रोजेक्ट पूरी तरीके से बनकर कंप्लीट है बिल्डर ने पूरा पैसा भी ले लिया लेकिन खरीदारों को उनका पजेशन नहीं दिया जा रहा है जिससे सैकड़ो कमर्शियल शॉप खरीददार सड़कों पर धक्के खा रहे है अफसर के दफ्तर में चक्कर लगा रहे हैं। रॉयल वॉकवे प्रोजेक्ट के खरीददारों के समर्थन में पहुंचे नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने उनसे कहा कि ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों से मुलाकात कर इस समस्या का समाधान करवाया जाएगा इस प्रोजेक्ट में लगभग 40 करोड रुपए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बिल्डर के ऊपर बकाया है जिसकी वजह से ओसी सीसी नहीं मिल पा रहा है बिल्डर की गलती का खामियाजा खरीददार उठा रहे है जिन्होंने अपनी जिंदगी भर की पूजी बिल्डर को सौंप दी और बिल्डर गायब है। रॉयल वॉकवे के खरीदार निश्चल जैन ने बताया कि हम लोग कई वर्षों से पजेशन के लिए परेशान है लाखों रुपए लगाकर कुछ हासिल नहीं हो रहा है अगर जल्द बिल्डर ने पोजीशन नहीं दिया तो हम लोग कोर्ट का रास्ता भी अपनाएंगे खरीददार तरुण यादव ने बताया की वर्धमान बिल्डर के डायरेक्टर से संपर्क करने की कई बार कोशिश की लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पा रही है ना ही वह फोन उठाते हैं और जो कंस्ट्रक्शन कंपनी कम कर रही थी विधि इंफ्रा बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड उनके डायरेक्टर विपुल शर्मा और पीके शर्मा भी बातचीत करने को तैयार नहीं है जिससे सैकड़ो खरीददार दर दर की ठोकरे खा रहे हैं ।

'हरीयाली तीज उत्सव' का हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन

नोएडा। एक्सप्रेस व्यू एच आई जी अपार्टमेंट्स, पॉकेट बी, सेक्टर

105 में हरीयाली तीज का पर्व पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए समाज में आपसी सौहार्द्र और सहभागिता को बढ़ावा देना था।इस विशेष अवसर पर आरडब्ल्यूए टीम द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें नृत्य, संगीत गायन, मेहंदी सज्जा एवं सज-धज प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रहीं। बच्चों और महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन टीम में प्रमुख रूप से- डॉ. शाशी राव, श्रीमती मोनी वर्मा, पूनम ओनिया, कांता बत्रा एवं प्रतिभा रॉय शामिल रहीं, जिनके समर्पण और प्रयास से यह आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ।प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन- श्रीमती प्रतिभा दुबे, डॉ. आशा सिंह एवं श्रीमती राजेश्वरी थ्यागराजन द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन सामूहिक उत्सव और सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस आयोजन ने नारी शक्ति, पारंपरिक मूल्यों और सामुदायिक एकता का सुंदर संदेश दिया।

लगातार सत्रहवें दिन किया गया रुद्राभिषेक पूजन,हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा शिव मंदिर परिसर

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर पर किया गया है आयोजन। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में लगातार सत्रहवें दिन रविवार को रुद्राभिषेक पूजन किया गया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

सावन माह के सत्रहवें दिन रविवार को मनोज गुप्ता, डॉक्टर किशोर,शांति देवी, मानस कुमार, सार्थक पासवान, रूचि केसरी, ऋषिका केसरी, लकी केसरी, सुजीत गोड़, मनीषा देवी, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की उपाध्यक्ष खुशबू मौर्य, विमला देवी, कृष्णावती, पंडित रेवती नाथ त्रिपाठी, रामा त्रिपाठी, कालो देवी, संध्या कुमारी, डॉक्टर विजय, उर्मिला देवी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधेकृष्ण तिवारी ने दुध व गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया।

भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। वर्ष 2024 से प्रत्येक शनिवार को शिवशक्ति महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ किया जाता है। शनिवार को शिव शक्ति महिला मंडल अध्यक्ष किरन मोदनवाल के नेतृत्व में सुंदरकांड पाठ किया गया। आरती पूजन में इन्द्रपति पांडेय महाराज, सुखराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना महाराज व शेषनाथ मिश्रा महाराज, राजकिशोर महाराज, सुरेश महाराज आदि मौजूद रहे।। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

चिकित्सक से मार पीट तोड़ फोड़ मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया,हॉस्पिटल मामले में 11 नामजद और 30 से 40 अज्ञात पर मामला दर्ज

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के छपका स्थित पंचशील मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर में महिला की मौत के मामले में शनिवार को मृतक महिला के परिजनों पर अस्पताल के डायरेक्टर द्वारा डॉक्टर दंपती पर जानलेवा हमला करने और अस्पताल में तोड़फोड़ का आरोप लगाते हुए एप्लिकेशन दिया गया है। वही रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने इस संबंध में अस्पताल के डायरेक्टर पवित कुमार की तहरीर पर 11 नामजद और 30 से 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं (मारपीट) के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बता दे कि यह मामला सामने आया जब मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के हिनौता गांव की निवासी बिंदु देवी को बच्चेदानी के ट्यूमर के ऑपरेशन के लिए पंचशील हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बिंदु के मायके (छपका) के जरिए उसे इलाज के लिए लाया गया था। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि एनेस्थेसिया की डबल डोज के कारण ऑपरेशन के दौरान ही बिंदु की मौत हो गई थी, जिसे अस्पताल प्रबंधन ने लंबे समय तक छिपाए रखा। परिजनों के अनुसार, जब ऑपरेशन थिएटर में एक घंटे की जगह चार घंटे बीत गए और लोग उग्र होने लगे, तब उन्हें मरीज को वाराणसी ले जाने की सलाह दी जाने लगी। किसी तरह परिवार के लोग ऑपरेशन थिएटर में घुसे तो देखा कि बिंदु के शरीर में कोई हरकत नहीं थी। इसके बाद 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने पर डॉक्टर और स्टाफ मौके से नदारद मिले। ओटी का दरवाजा भी अंदर से बंद था, जिसे पुलिस ने तोड़कर शव को अपने कब्जे में लिया था।वही हॉस्पिटल डायरेक्टर पवित कुमार का आरोप है कि परिजनों को मरीज को हायर सेंटर वाराणसी ले जाने की सलाह दी गई, लेकिन मरीज के पति अरविंद, पिता चंद्रमा, भाई सुनील, अनिल, आशीष, सोनू विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, बहन काजल, निशा, यशोदा सहित 30-40 की संख्या में लोग लाठी, डंडा, लोहे का रॉड और सब्बल लेकर अस्पताल में घुस आए और हमला बोल दिया। इस जानलेवा हमले में डॉ. अनुपमा मौर्या और उनके पति अंजनी कुमार घायल हो गए। डॉ. अनुपमा मौर्या के पैर में फ्रैक्चर हो गया है, और डॉ. अंजनी की छाती की हड्डी टूट गई है, जिनका सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है। आरोपियों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की, मशीनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और अस्पताल में रखे सामान व मरीजों की फाइलें भी नष्ट कर दीं। रॉबर्ट्सगंज पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर आगे की छानबीन की जा रही है।

शंख बजाओ, स्कूल बचाओ अभियान' चलाकर किया विरोध प्रदर्शन,यूपी में डबल इंजन नहीं, ढपोरशंखों की सरकार हैः रमेश गौतम

27000 स्कूल बंद कर, 27308 शराब की दुकानें खोल रही है योगी सरकार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने 'ढपोरशंखों को जगाओ शंख बजाओ, स्कूल बचाओ अभियान' चलाकर प्राथमिक स्कूल पेटारही पर जोरदार विरोध प्रदर्शन दर्ज किया। पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और प्रमुख नेताओं ने प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर इकट्ठे होकर योगी सरकार द्वारा 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जिला संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि योगी सरकार 27000 शराब की दुकाने खोलकर 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, आम आदमी पार्टी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी, इसलिए आप प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह के आवाहन पर योगी सरकार के इस तुगलकी फरमान के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करने उतर आई है। आम आदमी पार्टी इसके लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। इस अनोखे अभियान के तहत आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, शिक्षक, अभिभावक और बच्चों ने, जिले के बंद किए गए सरकारी प्राथमिक विद्यालय पेटराही ब्लॉक-थाना रॉबर्ट्सगंज पर जाकर शंख और थाली बजाकर इस 'ढपोरशंख सरकार' को जगाने का प्रतीकात्मक प्रयास किया।जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा कि 'आम आदमी पार्टी, सरकारी स्कूलों को बचाने की लड़ाई लड़ रही है, जबकि भाजपा स्कूल बंद करने में लगी है। एक तरफ सरकार प्रदेश में 27,308 शराब की दुकानें खोल चुकी है, वहीं दूसरी तरफ 27,000 से अधिक स्कूल बंद किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा नहीं है।'आम आदमी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और उत्तर प्रदेश के बच्चों के भविष्य को बचाने के लिए तब तक संघर्ष करेगी, जब तक सरकार इस तुगलकी फरमान को वापस नहीं लेती। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी 2 अगस्त को लखनऊ के इको गार्डन में ऐतिहासिक 'स्कूल बचाओ आंदोलन' करेगी, पार्टी द्वारा जारी नंबर- 75 0004 0004 पर मिस्ड कॉल करके आप भी इस क्रांति का हिस्सा बनिए और इन बच्चों के स्कूल इन्हें वापस दिलाइए। पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत तिवारी ने कहा -'यह डबल इंजन नहीं, ढपोरशंखों की सरकार है, जो बच्चों को अनपढ़ बनाकर रखना चाहती है। इसलिए अब समय आ गया है कि जनता खुद उठ खड़ी हो और इन ढपोरशंखों को जगाए।' वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष गोविंद चौबे ने शंखनाद करके यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। लेकिन यह केवल आंशिक राहत है। यदि जनता की आवाज़ नहीं उठी तो सरकार दोबारा इन्हें बंद करने की कोशिश करेगी। जिलामहासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अनवर अली ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उन बच्चों को अनपढ़ रखना चाहती है, जो आर्थिक रूप से कमजोर तबकों से आते हैं, ताकि आगे चलकर वो सवाल न पूछ सकें, हक न मांग सकें और आजीवन केवल वोट बैंक बने रहें। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील करते हुए कहा कि 'बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ मत कीजिए। स्कूल बंद करने का निर्णय तुरंत वापस लीजिए।' विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शमशाम अहमद,विमलेश पटेल,परदेशी पटेल सहित कई लोग शामिल हुए।

किसानों की समस्या को लेकर कल भूख हड़ताल,पूर्व ब्लाक प्रमुख ने दी चेतावनी हड़ताल रहेगा जारी

सदर तहसील परिसर में विध्य किसान मंच के बैनर तले होगा आवाज बुलंद

सोनभद्र। सदर तहसील परिसर में सोमवार को विध्य किसान मंच के बैनर तले किसानों के विभिन्न मांगों को लेकर भूख हड़ताल करते हुए किसान करेंगे बुलन्द आवाज। पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश मिश्रा ने बताया कि धान की रोपाई चल रही है और साधन सहकारी समितियों व बाजार में दुकानों पर खाद नही मिल रहीं है। प्रतिनिधि उदासीन है जो होर्डिंग लगवाने में व्यस्त व स्वहित साधना में मस्त है तथा खुद की विरदावली गाने में लीन है किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे है प्रतिनिधि व सरकार कम्पोस्ट खाद व श्री अन्न की खेती करने का सुझाव दे रही है किसान खाद माग रहे है जिसके बदले मे सुझाव दिया जा रहा हैं। सरकार खुद के हाथों से खुद को पीठ थपथपा रही है और खाद मार्केट से गायब है देश अन्तरिक्ष की उड़ान भर रह है लेकिन किसानों को मुफ्त सुझाव देकर श्री अन्न कि खेती कर अठारवी सदी में पहुचाने का कार्य किया जा रहा है एक तरफ सरकार किसानों की आय दुगना करने की बात कर रही है लेकिन डी0 ए0 पी0 न पड़ने से उत्पादन आधा होगा तो आय कैसे दुगना होगी यदि तत्काल प्रभाव से शिघ्र अतिशिघ्र खाद उपलब्ध नही करायी गई तो सोमवार को कचहरी परिसर मे एक विध्य किसान मंच के बैनर तले भूख हड़ताल उपवास करेंगें।श्री मिश्रा ने कहा कि किसानों को शिघ्राति शिघ्र खाद दिलवाने की कृपा प्रदान करे किसान आशा भरी नजरों से साहब की तरफ देख रहा हैं।

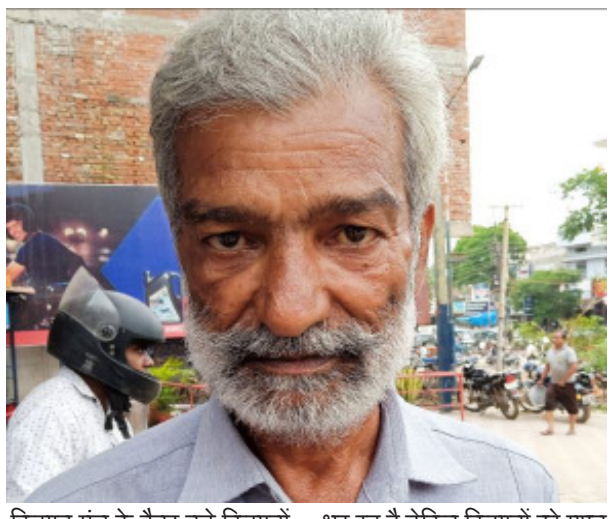

रॉबर्ट्सगंज में सुना गया प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज स्थित बूथ संख्या 14 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी नेतृत्व में सुनी गई।प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सफलताओं और देशवासियों की उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से सुरक्षित वापसी और चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो रहे हैं और युवाओं को इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है।उन्होंने यूनेस्को द्वारा 12 मराठा किलों को विश्व धरोहर स्थलों के रूप में मान्यता दिए जाने की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास और संस्कृति की समृद्धि को दर्शाता है और हमें अपने अतीत से सीखने की जरूरत है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में देश के इतिहास और संस्कृति के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे देश का इतिहास बहुत गौरवशाली है और हमें अपने अतीत से सीखने की जरूरत है। उन्होंने खुदीराम बोस जैसे देशभक्तों को भी याद किया जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समार्पित कर दिया था।कार्यक्रम में सभासद विनोद सोनी, बूथ अध्यक्ष शशिकांत पाण्डेय, योगेश सिंह, उत्कर्ष, रवि कसेरा, मालवीय जी, सनद दुबे, अनूप, विशाल और बूथ के सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को ध्यान से सुना और देश की प्रगति और उपलब्धियों पर चर्चा की।कार्यक्रम के अंत में डॉ धर्मवीर तिवारी ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम से हमें देश के विकास और प्रगति के बारे में जानने का अवसर मिलता है।

एक स्टेनोग्राफी तो दूसरे भाई ने सिपाही बनकर जिले का नाम किया रोशन

सोनभद्र। सफलता सिर्फ मेहनत से नहीं, अनुशासन, समर्पण और सही दिशा में किए गए प्रयासों से भी मिलती है। इसकी मिसाल है सोनभद्र जिले के रावट्सगंज से सटे उरमौरा गांव निवासी एक गरीब फेरी करने वाले तौहिद अंसारी के दो पुत्र बड़े भाई आसिफ अंसारी 23 वर्ष ने एसएससी में स्टेनोग्राफी एवं छोटे भाई आरिफ अंसारी 20 वर्ष ने उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा पास कर अपने परिवार सहित जिले का नाम रोशन किया है। तौहिद आलम के बच्चों ने अपने घर की गरीबी और लाचारी को देखकर बचपन में ही कुछ बनने का सपना देखा था, जिसे अब हकीकत बना दिया है। एक गरीब घर से दोनों की सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। दोनों ने इंटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद से प्रयागराज में भर्ती की तैयारी शुरू कर दी थी। सुबह में दौड़ लगाना, व्यायाम करना और फिर पढ़ाई में जुट जाना, यह उनकी दिनचर्या बन गई थी।

इन दोनों अभ्यर्थियों की माता रोशन बेगम घर संभालती थी और पिता गांव में साइकिल से कपड़े की फेरी करते हैं। दोनों बच्चों के चयन की खबर फैलते ही गांव में जश्न का माहौल बन गया। लोग फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दे रहे हैं। इसके अलावा इनके बड़े दादा नियामत अंसारी व चाचा तथा मामा का काफी सराहनीय योगदान रहा है जिससे उनके पढ़ाई पर कोई भी दिक्कत ना आए इसके लिए इन लोगों का काफी सराहनीय योगदान रहा है।

पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के तहत आज तीसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक

सोनभद्र। पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के तहत आज तीसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक कर समस्त विधानसभा 401 के अपने परिवार जनो के कल्याण की प्रार्थना किया व पेड़ हैं तो प्राण हैं के तहत नव निर्मित शिव सरोवर पर 51आम के वृक्ष अपने बाबा स्वर्गीय कैलाश नाथ मिश्र की स्मृति में दादाई के हाथों रोपित हुआ संयोजक श्री मिश्रा ने बताया कि हर गांव पेड़ लगाने का मुहिम युवाओं के साथ शुरू कर दिया गया है पेड़ लगाने अथवा वातावरण को बचाने के लिए हर गांव हर घर पहुंच कर घर के बच्चों के नाम से एक पेड़ लगाया जाएगा उसका संरक्षण बच्चे व उनके परिजन करेंगे वहीं इस मुहिम से युवा पीढ़ी बढ़ चढ़ कर जुड़ रहे हैं इस मौके पर दादी केवला देवी श्री श्याम सुन्दर मिश्र ओमप्रकाश मिश्र श्री नाथ मिश्र व परिवार के सदस्य उपस्थित रहे.

जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक

सोनभद्र। 28 जुलाई जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक विकास भवन के सभागार में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह ने की एवं उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण हेतु उपायुक्त उद्योग विनोद चौधरी ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि यदि कोई व्यापारी किसी व्यक्तिगत परेशानियों की वजह से जीएसटी रिटर्न समय से दाखिल नहीं कर पा रहा है एवं जीएसटी आर3बी या जीएसटी आर 1 समय पर नहीं भरा तो अधिकारी व्यापारी को धारा 46 के तहत नोटिस नोटिस भेज सकते हैं जिसमें 15 दोनों का समय दिया जाता है परंतु 15 दिनों के अंदर ही धारा 125 के तहत रु25000 अर्थ दंड लगाया जा रहा है जबकि यह अधिकतम सीमा है यानी अधिकारी उचित कारणों को जानकर यह धनराशि कम कर सकता है.उन्होंने आगे कहा कि जब व्यापारी समय से रिटर्न न भरने की वजह से लेट फीस एवं ब्याज का भुगतान कर रहा है उस दशा में अर्थ दंड लगाया जाना और औचित्य पूर्ण नहीं है उपरोक्त के संदर्भ में उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि मेसर्स राठौर बिल्डिंग मैटेरियल बनाम कमिश्नर आफ स्टेट टैक्स के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि किसी घटना में अलग से दंड का प्रावधान नहीं है तो मामले में सामान्य दंड लागू नहीं किया जा सकता वर्तमान मामले में 50000 की सामान्य दंड राशि निरस्त की जाती है। उन्होंने करते हुए कहा कि जिला मुख्यालय के रावटसगंज नगर में कुल 194 ट्रांसफार्मर में से 62 असुरक्षित हैं बरसात में सब कुछ राम भरोसे चल रहा है नगर के अति व्यस्ततम धर्मशाला चौक पर टेढे खंबे पर 400केबीए का ट्रांसफार्मर किसी तरह टिका है कचहरी तिराहे नवीन मंडी समिति एवं मछली गली के मोड पर लगे ट्रांसफार्मर में भी कोई सुरक्षा घेरा नहीं है जबकि जमीन से लगभग 2 फीट की ऊंचाई पर लगे ट्रांसफार्मर खतरे को दावत दे रहे हैं एक वर्ष पूर्व ओवर हीटिंग के चलते इसमें आग भी लग चुकी है उन्होंने कहा कि वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर सर्विस लेन की बदहाली लंबे समय से बनी हुई है पिछले साल जल निगम की ओर से पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क खोद दी गई थी जो काफी विरोध प्रदर्शन के बाद बनाई गई अब सर्विस लेन की सड़क फिर उखड़ गई है जबकि दो माह पहले ही इस सड़क की मरम्मत कर ली गई थी लेकिन बारिश के बाद ही सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं उन्होंने जिला विकास अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में गाजियाबाद के बाद सबसे ज्यादा निवेश सोनभद्र में हुआ है सोनभद्र देश के 112 आकांक्षी जिलों में शामिल है नीति आयोग ने अति पिछड़े जिले के विकास को गति देने के लिए सभी विभागों में रिक्त पद भरने के लिए निर्देश दिए हैं कार्यालय उपायुक्त उद्योग में सत्रह पद रिक्त है मगर तैनाती सिर्फ चार पर है। श्री शर्मा ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को उठाते हुए कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज की डिजिटल एक्सरे मशीन लगभग एक वर्ष से खराब पड़ी है बार-बार अधिकारियों द्वारा यह कहा जाता है कि जल्दी से ठीक कर लिया जाएगा इससे स्पाइनल सर्वाइकल एवं अन्य बीमारी हो तो मरीजों को निजी सेंटरों का सहारा लेना पड़ता है उन्होंने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि पंचायती राज विभाग से संचालित पंचायत उद्योग योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को शारीरिक स्वच्छता एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नगर से सटे पकरी गांव में सेनेटरी पैड बनाने की मशीन स्थापित हुई थी करीब 17 लाख रुपए रिवाल्विंग फंड देकर इसे शुरू कराया गया ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार के लिए यह बड़ा माध्यम हो सकता था मगर जिम्मेदारों की उदासीनता से मशीन एवं कच्चा माल कबाड़ हो रहा है बैठक में मुख्य रूप से जिला स्तरीय अधिकारी एवं व्यापार संगठन के जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल, राजू जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल, दीप सिंह पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

अधेड़ को गाली देना पड़ा भारी घर में घुस के मारी गोली:रेफर,पुराने विवाद में आए दिन अधेड़ देता था दरवाजे पर बद्दी बद्दी गली

सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज सदर कोतवाली क्षेत्र में एक दलित वृद्ध व्यक्ति को तीन युवकों ने घर में घुस कर मारी गोली हालत गंभीर वाराणसी रेफर। बता दें कि पुराने विवाद में आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौज दरवाजे पर देता था अधेड़ तंग आकार युवकों ने घटना को दिया अंजाम पीड़ित परिजनों के तहरीर पर पुलिस ने शुरू किया करवाई।जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र में देर रात करीब डेढ़ बजे गोली चलने की आवाज से इलाके में सनसनी फैल गई। गोली 65 वर्षीय दलित वृद्ध देवकी भारती को लगी, जो गंभीर रूप से घायल हो गए। वही मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। वही घटना के बाद घायल वृद्ध के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने भी तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में तीनों आरोपियों में पंकज पांडेय, अनिल चौबे और अजय सिंह को किया गिरफ्तार। वही पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वृद्ध देवकी भारती प्रतिदिन उनके घर के पास शराब के नशे में गाली-गलौज किया करते थे। जिससे अजीज आकर उन्होंने वृद्ध को गोली मारनी पड़ी। वही पुलिस ने पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और घटना में प्रयुक्त असलहे के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं स्थानीय लोग भी इस तरह की वारदात से सकते में हैं। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

भारत ने कैसे कराया मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ,311 रन से पिछड़े, फिर 4 बल्लेबाजों ने 142 ओवर बैटिंग कर हार टाली, 3 के शतक

नयी दिल्ली। भारत ने दूसरी पारी में फाइट दिखाने के बाद मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ करा लिया। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल ने मिलकर 142 ओवर बैटिंग की और टीम की हार को ड्रॉ में बदला। राहुल 90 रन बनाकर आउट हुए, बाकी तीनों बैटर्स ने शतक लगाए। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट ड्रॉ होने से टीम इंडिया सीरीज में अब भी बरकरार है। टीम अब पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करा सकती है। हालांकि, भारत हार गया तो इंग्लैंड 3-1 से सीरीज जीत लेगी। आखिरी मैच ड्रॉ होने पर भी सीरीज 2-1 से इंग्लैंड के नाम ही होगी।मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के 5 कारण- कारण-1. इंग्लैंड ने पहली पारी डिक्लेयर नहीं की मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भारत ने 358 रन बनाए। बैटिंग के लिए मददगार पिच और कंडीशन पर इंग्लैंड ने 157.1 ओवर बैटिंग की और 669 रन बना दिए। टीम ने चौथे दिन के पहले सेशन तक बैटिंग की। इससे भारत के पास टेस्ट मैच ड्रॉ कराने का मौका बन गया।इंग्लैंड अगर 550 रन बनाने के बाद पारी डिक्लेयर कर देता तो टीम इंडिया कन्फ्यूजन की स्थिति में जल्दी रन बनाने की कोशिश करती। जिससे मुकाबले का नतीजा किसी टीम के पक्ष में निकल जाता। हालांकि, इंग्लैंड की लंबी बैटिंग ने भारत के पास ड्रॉ के लिए खेलने के अलावा दूसरा ऑप्शन ही नहीं छोड़ा।कारण-2. 2 विकेट के बाद राहुल-गिल की पार्टनरशिप मुकाबले के चौथे दिन 311 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में शून्य पर 2 विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन बिना कोई रन बनाए पहले ही ओवर में पवेलियन लौट गए। यहां से ओपनर केएल राहुल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी संभाल ली।राहुल और शुभमन ने चौथे दिन के दूसरे और तीसरे सेशन में विकेट नहीं गिरने दिया। राहुल पांचवें दिन पहले सेशन में 90 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद शुभमन ने शतक लगाया, लेकिन वे भी 103 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, दोनों ने 188 रन की पार्टनरशिप की और भारत को मैच ड्रॉ कराने की स्थिति में मजबूती से खड़ा कर दिया। कारण-3. पांचवें दिन जडेजा-सुंदर के शतक 87.4 ओवर में भारत ने शुभमन के रूप में चौथा विकेट गंवाया। यहां रवींद्र जडेजा बैटिंग करने आए, जिनका पहली ही गेंद पर जो रूट ने स्लिप में कैच छोड़ दिया। उन्होंने इस जीवनदान का फायदा उठाया और सुंदर के साथ भारत की पारी को संभाल लिया। पांचवें दिन भी भारत ने दूसरे और तीसरे सेशन में कोई विकेट नहीं गंवाया। जडेजा और सुंदर ने दूसरे सेशन में 99 रन बनाए और टीम को बढ़त के करीब पहुंचा दिया। तीसरे सेशन में दोनों ने टीम को बढ़त भी दिला दी। जडेजा और सुंदर दोनों ने शतक लगाया और डबल सेंचुरी पार्टनरशिप भी कर ली।सुंदर और जडेजा ने फिर मिलकर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ ड्रॉ के लिए हाथ मिला लिया। जडेजा 107 और सुंदर 101 रन बनाकर नॉटआउट रहे। दोनों ने 55.2 ओवर बैटिंग की। जडेजा ने गेंदबाजी में 4 विकेट भी लिए थे। हालांकि, प्लेयर ऑफ द मैच इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स रहे, जिन्होंने 141 रन बनाने के साथ मैच में 6 विकेट भी लिए।कारण-4. इंग्लैंड की बैजबॉल पिच ने बैटिंग आसान बनाई कप्तान बेन स्टोक्स और हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने 2022 में इंग्लैंड की लीडरशिप संभाली। दोनों ने इंग्लैंड की पिचों को बैटिंग के लिए कुछ ज्यादा ही मददगार और आसान बना लिया। जिससे मुकाबले के चौथे और पांचवें दिन भी बैटिंग करने में ज्यादा परेशानी नहीं आती है। भारत के बैटर्स ने मैनचेस्टर में इसी तरह की पिच का फायदा उठाया और 311 रन से पिछड़ने के बावजूद 143 ओवर बैटिंग कर मैच ड्रॉ करा लिया। स्टोक्स और मैक्कुलम के साथ आने से पहले इंग्लैंड की पिचें गेंदबाजों के लिए मददगार हुआ करती थीं। यहां पांचों दिन गेंद स्विंग करती थीं और टीमों के लिए आखिरी 2 दिन बैटिंग करना तो बहुत ही मुश्किल हो जाता था। हालांकि, जब तक स्टोक्स और मैक्कुलम का बैजबॉल अप्रोच जारी रहेगा, चौथे और पांचवें दिन टीमों को बैटिंग करने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी।कारण-5. इंग्लिश बॉलर्स की थकान इंग्लैंड के बॉलर्स ने पहली पारी में 114 ओवर बॉलिंग की। दूसरी पारी के चौथे दिन गेंदबाज दूसरे सेशन में तो एनर्जी से भरपूर नजर आए, लेकिन गिल और राहुल की पार्टनरशिप बनते ही सभी के कंधे झुक गए। टीम इंडिया ने चौथे दिन आखिरी 2 सेशन में विकेट नहीं गंवाए। जिसके बाद इंग्लैंड ने अपने स्पिनर्स लियम डॉसन और जो रूट से ज्यादा बॉलिंग कराई, जिन्हें पिच से कुछ खास मदद नहीं थी। इंग्लिश गेंदबाजों की थकान पांचवें दिन भी साफ नजर आई। पहले सेशन में एनर्जी से बॉलिंग करने के बाद आखिरी 2 सेशन में गेंदबाजों की पेस कम हो गई। कप्तान स्टोक्स ने भी आखिरी सेशन में ज्यादातर ओवर डॉसन और रूट से ही करवाए, ताकि टीम के पेस बॉलर्स अगले टेस्ट से पहले ज्यादा थके नहीं। अगला मुकाबला 3 दिन बाद ही 31 जुलाई से शुरू हो जाएगा। इंग्लिश बॉलर्स की थकान भरी गेंदबाजी ने भारतीय बैटर्स का काम और भी आसान बना दिया।

महिला कुश्ती वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित,10 में 7 हरियाणा से, काजल-नेहा को मिला मौका, ट्रायल में 42 पहलवानों ने लिया हिस्सा

रेवाड़ी। बुल्गारिया में होने वाली महिला अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। इसके लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से 42 महिला पहलवानों ने हिस्सा लिया। चयनित 10 सदस्यीय टीम में से 7 महिला पहलवान हरियाणा से हैं, जबकि 3 दिल्ली से हैं। सोनीपत की काजल, जिन्होंने अंडर-17 चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था, उन्हें 72 किलोग्राम भारवर्ग में मौका मिला है। वहीं, 59 किलोग्राम भारवर्ग में नेहा सांगवान को टीम में शामिल किया गया है। ट्रायल के दौरान भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, ओलिंपिक मेडलिस्ट योगेश्वर दत्त, कोषाध्यक्ष एस.पी. देशवाल, उपाध्यक्ष ओलंपियन जयप्रकाश पहलवान और हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर भी मौजूद रहे।चरखी दादरी जिले में फौगाट सिस्टर के गांव की नेहा सांगवान ने अंडर-17 वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप जॉर्डन में गोल्ड जीत चुकी हैं। नेहा वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में भी 4 पहलवानों को हराकर गोल्ड जीत चुकी हैं। नेहा के पिता अमित कुमार व कुश्ती कोच सज्जन सिंह ने बताया कि बुल्गारिया में भी नेहा से गोल्ड की उम्मीद है।बुल्गारिया में होने वाली महिला यु-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए 72 किलोग्राम भारवर्ग में सोनीपत की काजल जॉर्डन में आयोजित हुई जूनियर कैडेट कुश्ती एशियन चैंपियनशिप में भी गोल्डन पंच दिखा चुकी हैं। सात साल की उम्र में ही काजल अपने चाचा कृष्ण से पहलवानी के गुर सीखने लग गई। काजल अभी तक 16 बार भारत केसरी, दो-दो बार हरियाणा और दिल्ली केसरी का खिताब अपने नाम कर चुकी है।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल के 5 रिकॉर्ड्स,4 शतक लगाकर ब्रैडमैन-गावस्कर की बराबरी, इंग्लैंड सीरीज में 722 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बने

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर टेस्ट में रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा के नाम रहा। गिल इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वे डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान भी बने। बतौर कप्तान किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गिल ने सुनील गावस्कर और सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी की। वहीं रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने हारा हुआ चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। टीम ने दूसरी पारी में 143 ओवर बैटिंग की। भारत से शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। पहली पारी में भारत ने 358 और इंग्लैंड ने 669 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 425 रन बनाए।शुभमन गिल बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में 700प्लस रन बनाने वाले नौवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले सर डॉन ब्रैडमैन (दो बार), सर गारफील्ड सोबर्स, ग्रेग चैपल, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, ग्राहम गूच और ग्रीम स्मिथ यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 722 रनों के साथ सर गारफील्ड सोबर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की।रवींद्र जडेजा ने इस सीरीज में अब तक 5 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। यह इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी द्वारा संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर हैं। उन्होंने यह उपलब्धि सर गैरी सोबर्स के 1966 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए हासिल की है।रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के बीच हुई यह शतकीय साझेदारी मौजूदा चार टेस्ट मैचों में भारत की 10वीं शतकीय साझेदारी रही। यह किसी भी टेस्ट सीरीज में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा 100 प्लस रन की साझेदारियां हैं। इससे पहले भारत ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में 11 शतकीय साझेदारियां की थीं।रवींद्र जडेजा के इस टेस्ट सीरीज में 5 अर्धशतक (50प्लस स्कोर) हो चुके हैं। नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टेस्ट सीरीज (घरेलू या विदेशी) में सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर हैं। उन्होंने वीवीएस लक्ष्मण की बराबरी की है, जिन्होंने 2002 के वेस्टइंडीज दौरे में इतने ही 50प्लस स्कोर बनाए थे। वाशिंगटन सुंदर ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। यह भारत की ओर से इस टेस्ट सीरीज में 11वीं सेंचुरी है। इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ, 1978/79 की घरेलू सीरीज में भारत ने 11 सेंचुरी लगाई थीं।किसी टेस्ट सीरीज में पहली बार ऐसा हुआ जब भारत के चार बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए। शुभमन गिल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा ने ऐसा किया। ओल्ड ट्रैफ्रड में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम कभी टेस्ट नहीं जीत पाई है। टीम को इसमें 3 बार हार मिली और 9 बार मैच ड्रॉ हुआ।भारत ने अब तक दो बार ऐसे मौकों पर टेस्ट मैच बचाया है जब उसे पहली पारी में 300 या उससे ज्यादा रन की बढ़त का सामना करना पड़ा हो। पहली बार 2009 में नेपियर (न्यूजीलैंड) में भारत ने 180 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 476/4 रन बनाए और मैच ड्रॉ कराया। दूसरी बार 1979 में लॉर्ड्स (इंग्लैंड) में भारत ने 148 ओवर में 318/4 रन बनाए और मैच हारने से बचा लिया।1. गिल इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान अब तक 4 मैचों की 8 पारियों में गिल ने 722 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 269 है। वे इस सीरीज में चार शतक लगा चुके हैं और उनका औसत 90.25 का है। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने 2024 में इंग्लैंड के भारत दौरे पर एंथनी डी मेलो ट्रॉफी में 5 मैचों की 9 पारियों में 712 रन बनाए थे, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 214 रहा था। उन्होंने इस सीरीज में 2 शतक और 3 अर्धशतक लगाए और उनका औसत 89.00 रहा। भारत ने यह सीरीज जीती थी। 2. डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान-शुभमन गिल बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान बने। उनसे पहले सिर्फ 5 खिलाड़ी, वार्विक आर्मस्ट्रॉन्ग, डॉन ब्रैडमैन, ग्रेग चैपल, विराट कोहली और स्टीव स्मिथ ने अपने पहले कप्तानी वाली टेस्ट सीरीज में 3-3 शतक लगाए थे। 3. गिल ने टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने में ब्रैडमैन और गावस्कर की बराबरी की एक टेस्ट सीरीज में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड तीन खिलाड़ियों के नाम है। सर डॉन ब्रैडमैन ने 1947/48 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में चार शतक लगाए थे। इसके बाद सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत में खेलते हुए चार शतक जमाए। अब शुभमन गिल इस खास सूची में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ विदेशी पिचों पर चार शतक लगाकर यह उपलब्धि हासिल की।4. गिल चौथे भारतीय जिन्होंने 4 शतक लगाए एक टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड चार खिलाड़ियों के नाम है, जिन्होंने एक ही सीरीज में चार-चार शतक लगाए हैं। सुनील गावस्कर ने यह उपलब्धि दो बार हासिल की, पहली बार 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी दौरे पर, और दूसरी बार 1978/79 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ भारत में खेलते हुए। इसके बाद विराट कोहली ने 2014-15 की ऑस्ट्रेलिया सीरीज में चार शतक जड़े, जो कि एक विदेशी सीरीज थी। अब शुभमन गिल भी इस खास सूची में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में चार शतक लगाकर यह कीर्तिमान दोहराया। 5. टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से 700 या उससे अधिक रन बनाने वाले बैटर गिल किसी टेस्ट सीरीज में 700 या उससे अधिक रन बनाने वाले चौथे बैटर बने।

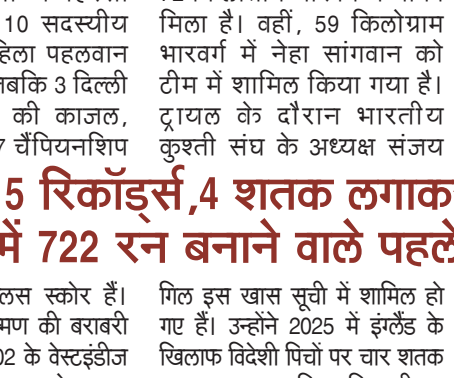

इस सूची में सबसे ऊपर सुनील गावस्कर का नाम है, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी दौरे पर 774 रन बनाए थे। यही नहीं, उन्होंने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी 732 रन बनाकर यह कारनामा दोहराया। यशस्वी जायसवाल ने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 712 रन बनाए। वहीं शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड की धरती पर खेलते हुए अब तक 722 रन बना लिए हैं, और उनकी सीरीज अभी जारी है।6. जडेजा विदेशी पिच पर 1000 रन और 30 विकेट लेने वाले तीसरे प्लेयर- रवींद्र जडेजा के इंग्लैंड में 1000 रन पूरे हो गए हैं। इतना ही नहीं, वे 34 विकेट भी ले चुके हैं। जडेजा विदेशी पिचों पर ऐसा करने वाले तीसरे प्लेयर हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बिल फर्ड रोड्स और वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स यह उपलब्ध हासिल कर चुके हैं। 7. भारत एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 350प्लस स्कोर बनाने वाली टीम बनी. भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2025 की टेस्ट सीरीज में अब तक 7 बार 350 या उससे अधिक का स्कोर बनाया है, जो किसी भी टीम द्वारा एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा बार है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने तीन बार किसी सीरीज में 6 बार 350प्लस स्कोर बनाए थे। अब मोमेंट्स- 1. गिल को दूसरा जीवनदान, पोप से कैच ड्रॉप हुआ 67वें ओवर में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को जीवनदान मिला। बेन स्टोक्स के ओवर की आखिरी बॉल पर गिल का कैच ड्रॉप हो गया। गिल को पारी में दूसरा जीवनदान मिला। 2. स्टोक्स की बॉल पर गिल चोटिल हुए- 72.1 ओवर में बेन स्टोक्स की एक शॉर्ट-ऑफ-लेंथ गेंद ने अचानक उछाल लिया और कप्तान शुभमन गिल की उंगली से लगने के बाद उनके हेलमेट के साइड पर जा टकराई। गेंद इतनी खतरनाक थी कि वापस स्टंप्स की ओर भी जा सकती थी, लेकिन गिल तुरंत सतर्क हो गए और उसे रोकने की कोशिश की।इसके बाद गिल ने तुरंत अपना हेलमेट उतारा और फिजियो मैदान पर आया। स्टोक्स खुद भी चिंतित नजर आए और गिल की हालत के बारे में पूछा। फिजियो ने शुभमन गिल के हाथ और सिर की जांच की, ताकि यह देखा जा सके कि उन्हें कोई चोट या हल्का ब्रेन झटका तो नहीं हुआ है। गेंद लगते ही गिल ने दर्द में अपना बल्ला एक तरफ फेंक दिया और साफ दिख रहा था कि उन्हें जोरदार चोट लगी है। इसके बावजूद वह फिर से खेलने के लिए तैयार हो गए। 3. जडेजा को पहली बॉल पर जीवनदान- लंच से पहले भारतीय टीम ने चौथा विकेट गंवाया। 88वें ओवर की चौथी बॉल पर गिल 103 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने विकेटकीपर जैमी स्मिथ ने कैच किया। नए बल्लेबाज रवींद्र जडेजा को जीवनदान मिला। जोफ्रा के ओवर की 5वीं बॉल पर जो रूट से स्लिप पर जडेजा का कैच ड्रॉप हुआ। जब जडेजा का कैच छूटा तब वे शून्य पर थे। 4. सुंदर-जडेजा की चौके से फिफ्टी- 112वें ओवर में वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने चौके से फिफ्टी पूरी की। सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स के ओवर की पहली बॉल पर सिक्स लगाया। इसके अगली ही बॉल पर उन्होंने फाइन लेग की तरफ चौका लगाया और फिफ्टी पूरी कर ली। ओवर की चौथी बॉल पर रवींद्र जडेजा ने ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर कट शॉट खेला और करियर की 27वीं फिफ्टी लगा दी। इसके बाद उन्होंने अपना ट्रेडमार्क तलवार की तरह बैट घुमाकर सेलिब्रेट भी किया।5. स्टोक्स ने ड्रॉ का प्रपोजल दिया, जडेजा-सुंदर का इनकार बेन स्टोक्स ने दोनों भारतीय बल्लेबाजों रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को ड्रॉ के लिए हाथ मिलाने का इशारा किया। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया। जडेजा और सुंदर, दोनों ही अपने-अपने शतकों के बेहद करीब हैं और वो इसे पूरा करना चाहते हैं। स्टोक्स का चेहरा देखकर साफ था कि वो इस फैसले से कुछ हैरान-परेशान हैं, लेकिन भारतीय जोड़ी अपने इरादे में अडिग दिखी। 6. जडेजा की सिक्स से सेंचुरी 140.3 ओवर में रवींद्र जडेजा ने छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया।

पंत चोट के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर,नारायण जगदीशन को मौका; एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में ऋषभ तीसरे टॉप स्कोरर

मैनचेस्टर। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के पांचवें मुकाबले से चोट के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विकेटकीपर नारायण जगदीशन को पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद इसकी घोषणा की। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पंत के दाहिने पैर की उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। स्कैन रिपोर्ट में फ्रैक्चर दिखा है और डॉक्टर्स के अनुसार पंत को कम से कम छह हफ्ते आराम करना होगा। हालांकि, इसको लेकर बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। पंत कैसे चोटिल हुए? मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन 68वें ओवर में पंत चोटिल हो गए। क्रिस वोक्स की धीमी यॉर्कर पर पंत ने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बैट से लगकर जूते पर जा लगी। इंग्लैंड ने एलबीडब्ल्यू की अपील की, जिसे अंपायर ने ठुकरा दिया। पंत दर्द से कराहते नजर आए। फिजियो ने मैदान पर उनकी जांच की और उनके पैर में सूजन देखी गई। जूता खोलने पर दर्द बढ़ने के कारण उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। उस समय पंत 37 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ चौथे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी की थी।दूसरे दिन पंत की बल्लेबाजी दूसरे दिन छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने रोहित शर्मा (88 छक्के) को भी पीछे छोड़ा।पंत का सीरीज में प्रदर्शन पंत का इस टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 4 टेस्ट की 7 पारियों में 68.42 की औसत से 479 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 3 अर्धशतक लगाए। वह सीरीज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।पहले भी हो चुके हैं चोटिल यह पहला मौका नहीं है जब पंत चोटिल हुए हैं। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी। उस चोट से उबरकर उन्होंने मैनचेस्टर टेस्ट में वापसी की थी।नीतीश रेड्डी भी बाहर पंत से पहले नीतीश रेड्डी भी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। रेड्डी को 20 जुलाई को जिम में अभ्यास के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी। नारायण जगदीशन का घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन तमिलनाडु के 24 दिसंबर 1995 को जन्मे नारायण जगदीशन ने अभी तक भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया है। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। 29 वर्षीय बल्लेबाज ने 52 प्रथम श्रेणी मैचों में 3373 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, 64 लिस्ट-ए मैचों में उनके 2728 रन और 66 टी20 मैचों में 1475 रन दर्ज हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके हैं, जहां उन्होंने 13 मैचों में 162 रन बनाए हैं।

चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं। बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेज़ेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ़्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं।

इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए। ऐसा कई बार मीटिंगरूम में करना मुश्किल हो जाता है। मैं बोर्डरूम के तनाव भरे और एक-दूसरे पर टिप्पणी वाले माहौल की तुलना में, वॉकिंग मीटिंग में किसी बड़े विचार को ज़्यादा अच्छे से व्यक्त कर पाता हूं।अगर आप कोई वरिष्ठ अधिकारी हैं और हाल ही में कॉलेज से पास हुए किसी व्यक्ति को नौकरी पर रखा है, तो उसके साथ वॉकिंग मीटिंग करें। उससे उसका प्रदर्शन बेहतर होगा। वॉकिंग मीटिंग तीन लोगों में सफल रहती है। ज़्यादा लोगों संग मीटिंग करने पर शोर होगा और मीटिंग आस-पास के लोगों का ध्यान खींचेगी। इसलिए सावधान रहें।फंडा यह है कि अगर सोमवार को आप या आपके कर्मचारी खुद को मीटिंग के बोझ में दबा हुआ पाते हैं, तो मीटिंग को सुबह के जिम से लेकर, कैंटीन और कॉरिडोर तक में ले जाएं। मीटिंग बोझिल नहीं रहेगी।एन. रघुरामन

अमेरिका के साथ तालमेल रखना भारत के हित में है

यह सच है कि भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब परिपक्व हो चुके हैं। उन्हें अब शायद कहकर अपने लिए आफत को न्योता दे रहा हूं, लेकिन संभवतः अमेरिका को हमारी जितनी जरूरत है, उससे है।इंफ्लुएंसर्स का सनसनी फैलाने का जुनून गलत है, चाहे वह डॉलर की कीमत घटने को लेकर हो या है। इससे भी बढ़कर, अमेरिका-विरोध की दिखावटी बयानबाजी भारत-अमेरिका साझेदारी के स्पष्ट

मुख्यधारा के मीडिया पेशेवरों से भी अधिक व्यू मिलने लगे हैं और वे लाखों दर्शकों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इसमें एक खतरा है। अव्वल तो उनके हेडलाइंस बहुधा भ्रामक होते हैं। क्लिकबेट के लिए। उनके शीर्षकों या थम्बनेल में अमूमन किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती का किसी अन्य दिग्गज का नाम शामिल होता है। वे हर हफ्ते, वीडियो-दर-वीडियो यह दावा करते हैं कि किसी 'बड़े एक्शन' की योजना बनाई जा रही है। और अगर 'फिनफ्लुएंसर्स' की बात करें तो वे अकसर बाजार में किसी बड़े 'क्रैश' का पूर्वानुमान लगाते हैं। जबकि उनकी भविष्यवाणियां शायद ही कभी सच होती हों।हालांकि, सरकार समर्थित चैनलों में एक शगल आम है कि वे अपने प्रिय नेताओं को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं। लेकिन इसका एक नकारात्मक पहलू है। बड़े मानदंडों को लेकर नरमी से बोलने के बजाय हम छोटे मानकों पर कोलाहल का शिल्प रचने लगते हैं। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है। क्योंकि आत्म-प्रवंचना हमें निश्चित ही उस गड्ढे में डाल देगी, जिसे हमने ही अपने लिए खोदा है। मैं यह ज्यादा आवश्यकता हमें अमेरिका की है। वैश्विक भू-राजनीति में रणनीतिक तालमेल तो समझ आता है, पर रणनीतिक स्वायत्तता नहीं। और आर्थिक, सैन्य, तकनीकी, राजनीतिक, सांस्कृतिक हितों में अमेरिका के साथ तालमेल रखना भारत के हित में है। मैं फिर दोहराता हूं कि अराजकता, विघटन, सर्वसत्तावाद के खिलाफ आज लोकतंत्र ही सर्वाधिक उपयुक्त उपकरण है।इसलिए दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों के नाते अमेरिका और भारत में स्वाभाविक साझेदारी निर्मित होती है। ऐसे में मसलन नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रम्प के प्रयासों का मखौल उड़ाने के बजाय हम इसका समर्थन कर सकते थे। हमें इससे क्या नुकसान होता? सच कहें तो हम इस खेल में पाकिस्तान से कहीं आगे निकल जाते। बेशक, व्यापार और तकनीकी लाभों के बदले ऐसा किया जा सकता था।भारत को अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के लिए व्यावहारिक गठबंधनों की जरूरत है, ऐसे में राष्ट्रवादी उत्साह के आवरण में प्रकट होने वाला हमारा अमेरिका-विरोध हमें अपने एक प्रमुख साझेदार से दूर कर सकता फिर भारत की कथित भू-राजनीतिक जीत को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने को लेकर। ऐसी अतिशयोक्तियों से एक विकृत वैश्विक दृष्टिकोण निर्मित होता है। अमेरिका-विरोधी प्रोपगंडा का अधिकांश हिस्सा न केवल भ्रामक, बल्कि खतरनाक भी है। अमेरिका 30 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व में शीर्ष पर है। इसकी तुलना में हमारी जीडीपी 3.5 ट्रिलियन पर है, जिसके 2025 में 4 ट्रिलियन के पार पहुंचने का अनुमान है।अमेरिकी रक्षा खर्च के आगे भारत का रक्षा खर्च बौना है। और एआई से लेकर सेमीकंडक्टरों तक उसकी तकनीकी बढ़त से पार पाना तो हमारे लिए बेहद ही मुश्किल है। अमेरिका के बेस दुनियाभर में हैं। जमीन, समुद्र या अंतरिक्ष में उसकी क्षमताएं अतुलनीय हैं। यह दिखावा करना कि भारत अमेरिका के बिना भी चल सकता है, सच्चाई को नजरअंदाज करने जैसा है। इंफ्लुएंसर्स के बीच डी-डॉलराइजेशन की कहानी खूब पसंद की जाती है। जबकि 2024 के स्विफ्ट डेटा के अनुसार डॉलर अभी भी वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार में 60फीसदी हिस्सेदारी रखता है और 88फीसदी अंतरराष्ट्रीय लेन-देनों में काम आता लाभों को भी अकसर अनदेखा कर देती है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी वाला 'क्वाड' हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का जवाब देने के लिए भारतीय रणनीति का प्रमुख आधार है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और हमारा द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक है। ऐपल और टेस्ला जैसी कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं, जिससे नौकरियां पैदा हो रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल रहा है। अमेरिका या उसके नेताओं का मजाक उड़ाना इस साझेदारी को खतरे में डालता है, जो भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर का है। ऐपल और टेस्ला जैसी कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं, जिससे नौकरियां पैदा हो रही हैं और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं मकरंद परांजपे)

हम लोगों के बीच पैदा हुई दीवारें तोड़ने में अक्षम क्यों?

बिहार में चुनाव सिर पर होने के चलते इस साल मुहर्रम पर साम्प्रदायिक हिंसा की आशंका पहले से थी। वास्तव में, आजकल खुशियों से भरे हर त्योहार पर कलह और कटुता का डर बना रहता है। इतिहासकार विल डयूरेंट के अनुसार भारत पर 12वीं सदी में जो तुर्कों का आक्रमण हुआ था, वो विश्व-इतिहास के सबसे रक्तरंजित अध्यायों में से है। इसमें हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया, धर्मांतरण और लूटपाटें हुईं। इतिहास के तथ्यों को तो झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन सदियों से भारत में एक गंगा-जमुनी संस्कृति भी विकसित हुई है, जिसमें यदि बंटवारे और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से हुई हिंसा के कुछ मौकों को छोड़ दें तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व की भावना के साथ रहना सीखे हैं। उनके बीच पारस्परिक निर्भरता और सौहार्द का संबंध विकसित हुआ है। क्या लोग यह जानते हैं कि ओडिशा के रेमांडा गांव का एक मुस्लिम परिवार हिंदुओं के वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की अनुवाई करता है? क्या उन्हें मालूम है कि अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर फूलवालों की सैर के दौरान दिल्ली के महरौली में सूफी संत ख्वाजा बख्तियार काकी की मजार से पहले जोगमाया मंदिर जाया करते थे? या यह कि केरल में सबरीमलै पहाड़ियों पर स्थित अय्यप्पा मंदिर की चढ़ाई करने वाले लाखों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पड़ने वाली एक मुस्लिम संत की दरगाह भी एक पवित्र स्थान है? लखनऊ में हिंदू व्यापारियों के चिकन/

जरदोजी उद्योगों में बड़ी संख्या में मुसलमान काम करते हैं। सीतापुर और मिर्जापुर के मुनाफे वाले कालीन कारोबार में हिंदू और मुस्लिम दोनों साझेदार हैं। वाराणसी में मुसलमान लाजवाब बनारसी साड़ी बुनते हैं और हिंदू इस व्यापार में पैसा लगाते हैं। महाराष्ट्र में कई मुस्लिम शिल्पकार गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं। केरल के त्रिशूर में वडक्कुन्नाथन मंदिर के पूरम उत्सव के दौरान मुसलमान और ईसाई मदद करते हैं। बंगाल में भी दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कलाकार पंडाल और मूर्तियां बनाते हैं। मुझे याद है कि बचपन में कैसे हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के त्योहारों में खुशी-खुशी शरीक होते थे। होली पर मुस्लिम परिवार गुझिया और ठंडाई बनाते थे और उनके पड़ोसी हिंदू ईद पर सेवइयों और बिरयानी का लुत्फ उठाते थे। बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में हिंदू धर्मों के कुछ सबसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं, जैसे जैनों के लिए पावापुरी, बौद्धों के लिए बोधगया और हिंदुओं के लिए गया, मुसलमानों के लिए बिहार शरीफ और सिखों के लिए गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली पटना साहिब भी वहीं है। राजनेता धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। स्वयंभू धर्म-प्रचारकों- जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित हैं- को साम्प्रदायिक नफरत फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसे हिंदुओं के लिए ही आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने दो दूक शब्दों में कहा था- 'जटिलो मुण्डी लुञ्छितकेशः, काषायाम्बर बहुकृतवेषः। पश्यन्नपि च न पश्यति मूढः, उदरनिमित्तं बहुकृतवेषः।' अर्थात्, बहुत-से लोग अपनी जटाएं गुंथते हैं, सिर मुंडवाते हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं, लेकिन वे यह सब वह सिर्फ अपने पेट के लिए यानी निजी स्वार्थवश करते हैं। वहीं 15वीं सदी में कबीर ने कहा था- 'पूरबि दिसा हरि का बासा, पछिम अलह मुकामा। दिल ही खोजि दिलै भीतर, इहां राम रहिमांना।' 18वीं सदी में उर्दू के दिग्गज शायर मीर तकी मीर ने भी घोषणा की थी- 'मीर के दीन-ओ-मजहब को अब पूछते क्या हो उन ने तो, कश्का खेंचा दैर में बैठा कब का तर्क इस्लाम किया।' 18वीं शताब्दी में शायर मिर्जा गालिब ने भी सांप्रदायिक मानसिकता वाले मौलवियों का यह कहकर मखौल उड़ाया था- 'कहां मैखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज, बस इतना जानते हैं कल वो जाता था जब हम निकले।' हमारे देश को क्या हो गया है, जो विश्वगुरु तो बनना चाहता है, लेकिन अपने ही लोगों के बीच पैदा हुई कट्टरता की दीवारें तोड़ने में अक्षम है? भारतवासियों को उन्हें धर्म के आधार पर बांटने वाले राजनेताओं से वही कहना चाहिए, जो साहिर लुधियानवी ने 1959 की फिल्म 'धूल का फूल' में कहा था- 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' राजनेता अपने धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। हमारे देश को आखिर क्या हो गया है? (ये लेखक के अपने विचार हैं- पवन के. वर्मा)

बिहार के नतीजे बंगाल और असम का रुख भी बताएंगे

इस साल के बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजे अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में होने जा रहे चुनावों के लिए हवा का रुख बताने वाले होंगे। इन तीनों ही राज्यों में आज घुसपैठ एक प्रमुख मुद्दा है। तीनों ही राज्यों में आज मतदाता हैं, जिनमें से ज्यादातर बांग्लादेश और नेपाल से हैं। कुछ म्यांमार से भी हैं। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में 5फीसदी से ज्यादा अवैध मतदाता सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर या तो अब मृत हैं या फर्जी वोटर हैं या स्थायी रूप से राज्य छोड़कर जा चुके हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जो भारतीय नागरिक नहीं हैं और इस कारण वोट देने के पात्र नहीं हैं। सवाल उठता है उन्हें आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और राशन कार्ड कैसे मिले? जाहिर है अवैध तरीके से। बिहार में ऐसे बिचौलियों की कमी नहीं है, जो पैसा लेकर किसी भी दस्तावेज की जालसाजी कर सकते हैं। ये फर्जी वोटर बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों को कितना प्रभावित कर सकते हैं? बिहार में 7.74 करोड़ पात्र मतदाता हैं। मान लें कि अगर इनमें से 1फीसदी भी फर्जी हुए तो लगभग 8 लाख मतदाता होंगे। अगर वे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में केंद्रित हों और लामबंद होकर मतदान करें, तो कड़े मुकाबले वाली सीटों पर प्रभाव डाल सकते हैं। ध्यान रहे कि बिहार का चुनाव विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली करारी

हार के बाद अब कांग्रेस और राजद को चुनावी रुख मोड़ने की जरूरत है। ऐसे में राजद नेता तेजस्वी यादव को लोजपा के चिराग पासवान से अप्रत्याशित मदद मिल सकती है। चिराग एनडीए का हिस्सा हैं। वे बिहार की सक्रिय राजनीति में वापसी करने और अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत को फिर से खड़ा करने में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। केंद्र में मंत्री होने के नाते चिराग अभी एक बड़े तालाब की छोटी मछली हैं। बिहार में वे छोटे तालाब की बड़ी मछली साबित हो सकते हैं! भाजपा और जदयू जानते हैं कि यह नीतीश का मुख्यमंत्री के रूप में आखिरी कार्यकाल हो सकता है। तब अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा के मन में कई उम्मीदवार हैं। वह 2030 में या शायद उससे पहले ही नीतीश के सेवानिवृत्त होने का इंतजार कर रही है। वह चिराग की रणनीति भी जानती है, लेकिन अपने पत्ते नहीं खोल रही है।फिलहाल उसे लोजपा जैसी छोटी पार्टी की जरूरत है, जो चुनाव में भाजपा और जदयू के आंकड़ों में लगभग 5फीसदी वोटों का इजाफा करे और कड़े मुकाबलों में जीत दिलाए। 2020 में लोजपा ने 5.66फीसदी वोट-शेयर हासिल किया था। हालांकि उसने 137 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ एक ही सीट जीती, लेकिन वह नौ सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। पटना और बिहार के अन्य हिस्सों में हत्याओं की बढ़ती घटनाओं ने तेजस्वी यादव का हौसला बढ़ा दिया है। राजद और कांग्रेस को पता है कि उनके पास एनडीए के जातीय गणित को बिगाड़ने का छोटा-सा ही मौका है, लेकिन बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर हमला करके उन्होंने एनडीए को बैकफुट पर ला दिया है। नीतीश द्वारा 35फीसदी सरकारी नौकरियों को महिलाओं के लिए आरक्षित करने का वादा एक महत्वपूर्ण लैंगिक-जनसांख्यिकी को एनडीए के पक्ष में झुका सकता है। 1 अगस्त से घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने के नीतीश के वादे के बाद मोदी ने भी निजी क्षेत्र में पहली नौकरी करने वाले युवाओं को 15,000 रुपए की एकमुश्त राशि देने की पेशकश की है। ममता बनर्जी और हिमंत बिस्वा सरमा बिहार में हो रही घटनाओं पर पैनी नजर रखे हुए हैं। बंगाल में घुसपैठ की समस्या बिहार से ज्यादा गंभीर है। असम की भी यही स्थिति है। अगर बंगाल में भी पात्र मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाता है तो हिंसा भड़कना तय है। इससे ममता को मुख्यमंत्री बनने में मदद भी मिल सकती है या उन्हें नुकसान भी हो सकता है। पिछले एक साल में हुए घोटालों की बाढ़ ने उदारवादी हिंदुओं को तृणमूल के खिलाफ किया है। लेकिन ममता का मुस्लिम वोट बैंक बरकरार है। अगर बंगाल में मतदाता पुनरीक्षण का प्रयास किया जाता है, तो मुस्लिम वोट तृणमूल के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। असम में शायद मुस्लिम वोट या अवैध घुसपैठिए अपने दम पर कांग्रेस को जिताने में मददगार साबित नहीं होंगे। हाल ही में राहुल गांधी असम पहुंचे थे। वहां उनके भाषण के बाद हिंसा भड़क उठी। इस पर सरमा ने राहुल पर राज्य में ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया। बंगाल और असम में चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले बिहार के नतीजे आ चुके होंगे और वे बताएंगे कि हवा किस दिशा में बह रही है। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या बिहार से कहीं ज्यादा गंभीर है। असम की भी कमोबेश यही स्थिति है। अगर बिहार की तरह पश्चिम ?बंगाल में भी पात्र मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाता है तो हिंसा भड़कना तय है। (ये लेखक के अपने विचार हैं मिन्हाज मर्चेंट)

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

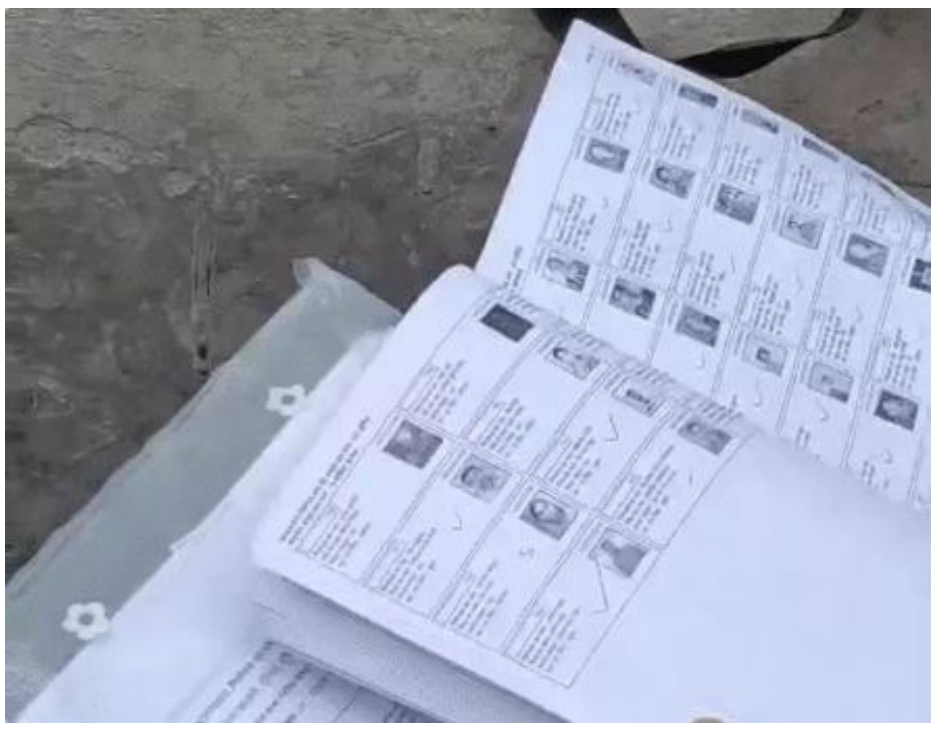

न वोटर लिस्ट रिवीजन का पता-न फॉर्म भरा,कैसे देंगे वोट,बिहार से बाहर रहने वाले परेशान, बोले- हमारा वोट न कैंसिल हो जाए

नयी दिल्ली। 'मैं काफी समय से बिहार नहीं गया। वहां रिश्तेदारों से बात जरूर होती है, लेकिन किसी ने भी मुझे वोटर लिस्ट रिवीजन के बारे में नहीं बताया। मेरे परिवार में 6 लोग बिहार के वोटर हैं। अब फॉर्म ही नहीं जमा कर पाए तो कहीं इनके नाम वोटर लिस्ट से न कट जाएं।' गाजियाबाद में रहने वाले मधुबनी के सुनील चौधरी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया से अनजान हैं। अब जब इसके बारे में पता चला तो उन्हें वोट कैंसिल होने का डर सता रहा है। बिहार में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले वोटर लिस्ट अपडेट करने के लिए एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत बिहार के सभी वोटर्स को 25 जुलाई तक एक फॉर्म भरना था, जिसके बाद ही वोटर लिस्ट में नाम जुड़ेगा। 13 करोड़ की आबादी वाले बिहार के लाखों लोग राज्य के बाहर रहते हैं। इनमें सुनील जैसे काफी लोग अब भी बिहार में ही वोट डालते हैं, लेकिन प्रक्रिया से अनजान होने के कारण फॉर्म नहीं भर सके। लिहाजा, इस विधानसभा चुनाव में ये वोट दे सकेंगे या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है।हमने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बिहार से बाहर रह रहे कुछ प्रवासी मजदूरों और दूसरे पेशे से जुड़े लोगों से बात की और इससे जुड़ी दिक्कतें समझने की कोशिश की। न रिश्तेदारों ने बताया- न बीएलओ ने, सरकार समय बढ़ाए बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले सुनील चौधरी परिवार के साथ गाजियाबाद के वैशाली में रहते हैं। वे ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं। 10 साल की उम्र से ही पेंटिंग का काम कर रहे हैं। जब हम सुनील से मिले, तो वे एक कंस्ट्रक्शन साइट पर पेंटिंग का काम कर रहे थे। 28 सालों से यहां रह रहे सुनील और उनका परिवार अब भी बिहार का ही वोटर है। वे बताते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में भी वे वोट डालने मधुबनी गए थे। उनके पापा, मम्मी और पत्नी रहते भले गाजियाबाद में हैं, लेकिन सब बिहार के वोटर हैं। हालांकि बिहार में वोटर लिस्ट अपडेट करने के लिए चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के बारे में पूछने पर कहते हैं कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। न उन्होंने कोई फॉर्म भरा है।जब हमने उन्हें वोटर लिस्ट से नाम कटने की बात बताई तो इस पर सुनील कहते हैं, 'मुझे तो आपसे पता चला है। अगर इसके लिए कुछ समय बढ़ा दिया जाए तो मैं भी फॉर्म जमा करा दूंगा। जिनका नाम नहीं जुड़ा, उनके लिए सरकार को समय बढ़ाना चाहिए। मेरे जैसे और भी लोग होंगे, जिन्हें ये सब नहीं पता होगा।' सुनील के मुताबिक, वैशाली में उनके आस-पास बिहार के कई लोग रहते हैं, लेकिन अब तक किसी ने इसकी चर्चा नहीं की।तमिलनाडु के तिरुप्पुर में रह रहे 23 साल के माजिद को भी एसआईआर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वे बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के रहने वाले हैं। माजिद सिर्फ सातवीं तक पढ़े हैं। तिरुप्पुर में सिलाई का काम करते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अब मेरा नाम वोटर लिस्ट में जुड़ेगा या नहीं। मैं अगले कुछ दिनों में बिहार जाने वाला हूं। तब फॉर्म भर दूंगा।' हमने उन्हें बताया कि फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 25 जुलाई थी। इस पर माजिद कहते हैं कि सरकार को इसके लिए समय बढ़ाना चाहिए। मुजफ्फरपुर के रहने वाले संतोष मांझी फिलहाल पंजाब के जालंधर में रहकर खेती का काम कर रहे हैं। वहां उनका परिवार भी साथ है। वो भी वोटर लिस्ट रिवीजन से अनजान हैं। वे एक या दो महीने बाद बिहार लौट जाएंगे। दरअसल बिहार के कई मजदूर अस्थायी रूप से भी पलायन करते हैं। ऐसे ज्यादातर लोग पंजाब और हरियाणा में कुछ महीने के लिए खेती का काम करने जाते हैं। संतोष भी उन्हीं में से एक हैं। वे कहते हैं कि उनका फॉर्म भरा गया या नहीं उन्हें नहीं पता। मांझी अनुसूचित जाति में मुसहर कम्युनिटी में आते हैं। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट अपडेट करने के लिए जिन 11 डॉक्यूमेंट्स की मांग कर रहा है, वो ऐसे कमजोर और कम पढ़े-लिखे समुदाय के लोगों के पास आसानी से मिलना मुश्किल है।विजय कुमार यूपी के साहिबाबाद में ड्राइवर का काम करते हैं। बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले हैं और वहीं के वोटर हैं। उन्हें बिहार में अपने घरवालों से पता चला कि नई वोटर आईडी बनने वाली है। हालांकि ये जानकारी नहीं है कि उसके लिए फॉर्म भर दिए गए या नहीं। वे कहते हैं, 'मेरा पहचान पत्र वगैरह सब बिहार वाले घर पर ही है। फॉर्म भरने के बारे में मुझे नहीं पता था।' जब हमने उनसे घर में कॉल करके पूछने को कहा तो उन्हें परिवार वालों ने बताया कि उनका फॉर्म भर दिया गया है।

75फीसदी मजदूरों को ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में पता नहीं

बिहार से बाहर रहे लोगों को फॉर्म भरवाने के लिए चुनाव आयोग ने ऑनलाइन सुविधा दी है। ये चुनाव आयोग की वेबसाइट या ऍनु एप पर फॉर्म भर सकते हैं। वो फॉर्म का प्रिंट निकालकर और उसे भरकर परिवार के किसी सदस्य के जरिए बीएलओ को भेज सकते हैं। इसके अलावा वे भरे गए फॉर्म को वॉट्सएप के जरिए भी बीएलओ को भेज सकते हैं। हालांकि 75फीसदी मजदूर फॉर्म भरने की ऑनलाइन प्रक्रिया से अनजान हैं। प्रवासी मजदूरों पर काम करने वाली संस्था स्ट्रैंडेड वर्कर्स एक्शन नेटवर्क (ईं-) की 25 जुलाई को जारी रिपोर्ट में ये दावा किया गया है।2020 में प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए ईं- का गठन हुआ था। इसका मकसद था कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों तक राशन और बाकी मदद पहुंचे। उसी दौरान इन लोगों के कॉन्टैक्ट नंबर्स की लिस्ट तैयार हुई थी। अब उन्हीं डेटाबेस से 1411 लोगों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन 338 प्रवासी मजदूरों से बात हुई। इन्हीं 338 लोगों से बात करके ये रिपोर्ट तैयार हुई।गाजियाबाद में क्लिनिक चला रहे डॉ. अभिषेक कुमार बिहार के बेगुसराय जिले के रहने वाले हैं। पिछले पांच सालों से इस इलाके में प्रैक्टिस कर रहे हैं। वे बिहार में ही वोट डालते हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्हें वोटर लिस्ट अपडेट के बारे में पता चला। उन्होंने ऑनलाइन फॉर्म भरने और प्रक्रिया जानने की कोशिश की। अभिषेक बताते हैं, 'मैंने आयोग की वेबसाइट पर पापा का ईपिक नंबर डालकर चेक किया तो उसमें लिखा था कि आपका फॉर्म पहले से जमा है, कृपया अपने बीएलओ से संपर्क करें। जबकि हमने तो कोई डॉक्यूमेंट जमा नहीं किया था। जब मैंने बीएलओ से बात की, तो उनका जवाब भी कन्फ्यूजन भरा था।' अभिषेक कहते हैं, 'मैंने खुद फॉर्म जमा नहीं किया। ये पता नहीं चल रहा कि किसने जमा किया है। अब जब तक ड्राफ्ट लिस्ट नहीं आती है, तब तक हमारे लिए ये पहेली ही है।'बिहार के रहने वाले एक जर्नलिस्ट नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि उनके परिवार वालों ने उनका फॉर्म भरा है। वे दिल्ली में लंबे समय से रहे हैं। उनके घर वालों ने उनसे सिर्फ आधार कार्ड मांगा था। जबकि आधार उन 11 दस्तावेजों की लिस्ट में ही नहीं है, जिसे इस फॉर्म के साथ जमा करना है। वे बताते हैं, 'मेरा कोई डॉक्यूमेंट घर पर नहीं है। बीएलओ ने फॉर्म भरवाते वक्त सिर्फ आधार मांगा। मैंने घरवालों से पूछा कि किसी दूसरे डॉक्यूमेंट की जरूरत तो नहीं, तब उन्होंने मना कर दिया। मेरा नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं था। ऐसे में वेरिफिकेशन के वक्त नाम हटाया भी जा सकता है।' नालंदा के बीएलओ बोले- वेरिफिकेशन के वक्त डॉक्यूमेंट देखेंगे

इस तरह से फॉर्म भरे जाने पर हमने नालंदा के एक बीएलओ से बात की। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'अभी इस प्रक्रिया में सिर्फ लीपापोती चल रही है। बिहार के बाहर रह रहे, जो लोग फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं, उनके बारे में बीएलओ बीएलओ पड़ोसियों से पता कर लेते हैं। पता चलने पर बिना डॉक्यूमेंट के ही उनके फॉर्म जमा कर दिए गए।' 'जब वेरिफिकेशन की प्रक्रिया होगी तो उसमें क्या होगा, हमें भी नहीं पता है। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद हम लोग डॉक्यूमेंट्स के लिए घूमेंगे। जिनके मिल जाएंगे, वो लिस्ट में रहेंगे। जिनके डॉक्यूमेंट नहीं मिलेंगे, हम लिख देंगे कि नहीं मिला। आगे क्या होगा, हमें नहीं पता।' वे आगे कहते हैं, 'गरीब वर्ग को ज्यादा दिक्कत हो रही है। इनमें बहुत

सारे लोग पढ़े-लिखे नहीं हैं। आधार कार्ड को डॉक्यूमेंट्स में रखा नहीं गया है। जो 11 डॉक्यूमेंट्स मांगे गए हैं, उनमें से कोई भी डॉक्यूमेंट ज्यादातर लोगों के पास नहीं मिलता है।'चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के संस्थापक सदस्य जगदीप छोकर कहते हैं कि इस पूरी प्रक्रिया में चुनाव आयोग से कई जगहों पर चूक हुई है। वे कहते हैं, 'ये उम्मीद करना कि मजदूर इसे ऑनलाइन कर लेंगे, ये प्रैक्टिकल नहीं लगता है। वोटर लिस्ट को ठीक रखना जरूरी है, लेकिन बिहार में जो रहा है, उसमें कई गलतियां हैं। इस प्रक्रिया को दो-तीन महीने में पूरा करने की कवायद चल रही है। इसमें कम से कम 6 महीने लगाने चाहिए थे। ये ऐसे समय हो रही है, जब बिहार में बाढ़ के हालात रहते हैं और बुआई का समय होता है।' आधार कार्ड को डॉक्यूमेंट्स में न गिनना सही नहीं जगदीप छोकर के मुताबिक, अभी जो 11 दस्तावेज मांगे गए हैं, उनमें से कुछ भी बनवाने के लिए आधार कार्ड जरूरी होते हैं। जबकि इस प्रक्रिया में आधार को ही गायब कर दिया गया है। 2022 में जन प्रतिनिधित्व कानून, 1950 में संशोधन किया गया था कि आधार कार्ड भी पहचान का एक दस्तावेज होगा।'जो लोग बिहार से बाहर रह रहे हैं। वे वोटर लिस्ट में रजिस्ट्रेशन के लिए फॉर्म-6 भरते हैं तो उन्हें जन्म प्रमाण पत्र दिखाना होता है। जन्म तिथि के लिए अक्सर लोग आधार कार्ड दिखाते हैं। वोट रजिस्टर करने के लिए आधार स्वीकार्य है, लेकिन इस प्रक्रिया के लिए इसे नहीं मान रहे हैं।' दिसंबर 2021 में केंद्र सरकार ने संसद से चुनाव कानून (संशोधन) बिल, 2021 पारित करवाया था। इसके तहत वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने का प्रावधान है। इस संशोधन के तहत चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारी किसी व्यक्ति से उसकी पहचान को वेरिफाई करने के लिए आधार कार्ड मांग सकता है। अगर वो पहले से वोटर लिस्ट में है तो भी वेरिफिकेशन के लिए आधार मांगा जा सकता है।जगदीप आगे कहते हैं, 'अलग-अलग रिपोर्ट्स में ये बातें सामने आ रही हैं कि कई प्रवासी मजदूरों को इस बारे में पता नहीं है। इसका ये असर होगा कि बहुत सारे लोग अपने फॉर्म नहीं भरेंगे। इससे उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं होंगे।' 'जब इस प्रक्रिया के बारे में नहीं पता है, तो उन्हें ड्राफ्ट लिस्ट के बारे में भी पता नहीं होगा। फिर वो चेक कैसे करेंगे?जाहिर है इससे उनका नाम फाइनल लिस्ट में भी नहीं होगा।'अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर राजेंद्रन नारायण बताते हैं कि ये देश में पहली बार हो रहा है कि सरकार लोगों पर उनकी पहचान को साबित करने का बोझ डाल रही है। राजेंद्रन प्रवासी मजदूरों पर आई ईं-की रिपोर्ट तैयार करने में भी शामिल थे। राजेंद्रन बीएलओ को लेकर भी सवाल उठाते हैं। वे कहते हैं, 'आयोग ने कहा था कि सभी बीएलओ की ट्रेनिंग होगी। इतने कम समय में ट्रेनिंग कैसे हुई। जब ठीक से ट्रेनिंग नहीं होगी तो वे इतने लोगों का काम कैसे करेंगे।' वे आगे कहते हैं, 'अमीर वर्ग कहीं से भी डॉक्यूमेंट ले आएंगे, लेकिन गरीब कहां जाएंगे। फिर मजदूरों से क्यूआर कोड स्कैन करके या ऑनलाइन फॉर्म भरवाना असंभव काम है।'नागरिकता पर बात इसलिए हो रही है क्योंकि चुनाव आयोग ने 24 जून के आदेश में इसका जिक्र कर दिया था। 24 जून की गाइडलाइंस के पैरा 5(बी) के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति मांगे गए 11 दस्तावेजों में कोई भी नहीं दे पाता है तो चुनाव अधिकारी उस वोटर पर संज्ञान लेगा और नोटिस जारी करेगा कि उसका नाम लिस्ट से क्यों नहीं हटाना चाहिए। जांच पड़ताल के बाद ERO उसे फाइनल लिस्ट में जोड़े जाने पर फैसला लेगा। ये भी लिखा गया कि अधिकारी 'संदिग्ध विदेशी नागरिकों' के मामले को नागरिकता कानून के तहत संबंधित अथॉरिटी के पास भेज सकता है। जगदीप छोकर इस मुद्दे पर कहते हैं, 'अगर सिर्फ डॉक्यूमेंट नहीं होने पर किसी के साथ ऐसा होता है तो ये गंभीर मुद्दा है। चुनाव आयोग को इसे समझना चाहिए।'हालांकि 21 जुलाई को चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में बताया कि एंं प्रक्रिया के दौरान अगर किसी व्यक्ति का नाम वोटर्स लिस्ट में नहीं जुड़ता है तो सिर्फ इस आधार पर उसकी नागरिकता खत्म नहीं होगी।

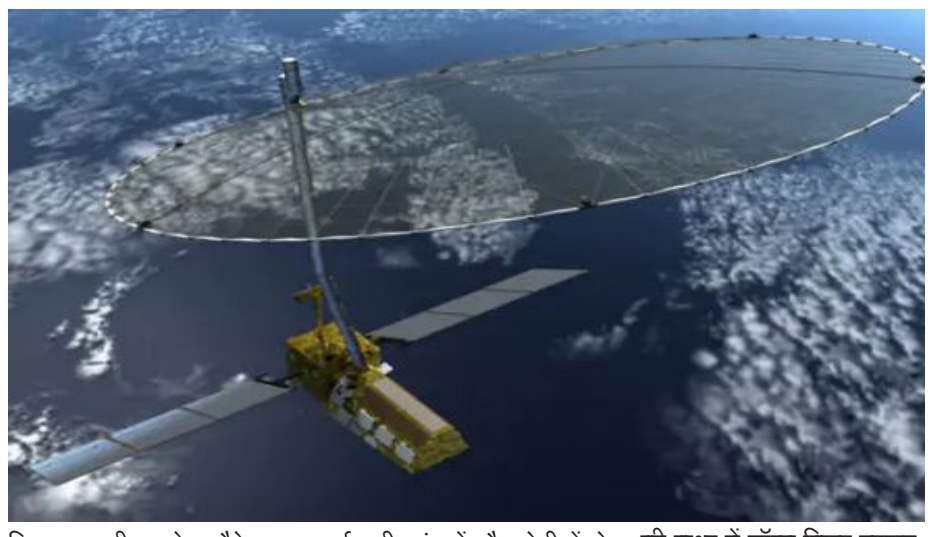

एनआईएसईआर सैटेलाइट 30 जुलाई को लॉन्च होगा:इसमें भारत-अमेरिका दोनों की टेक्नोलॉजी लगी; आपदाओं की सूचना पहले मिल सकेगा

नयी दिल्ली। इसरो और नासा मिलकर पहली बार ऐसा सैटेलाइट लॉन्च कर रहे हैं जो पूरी धरती पर नजर रखेगा। इस मिशन का नाम एनआईएसईआर (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) है। इसे 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। एनआईएसईआर में भारत और अमेरिका दोनों की टेक्नोलॉजी लगी है। इसमें दो खास रडार एल-बैंड (नासा का) और एस -बैंड (इसरो का) लगे हैं, जो मिलकर धरती की बेहद साफ और डिटेल्ड तस्वीरें भेजेंगे। इस सैटेलाइट से वैज्ञानिकों को भूकंप, ज्वालामुखी, भूस्खलन, बर्फबारी, जंगलों और खेती में हो रहे बदलाव समझने में मदद मिलेगी। यह सैटेलाइट हर 12 दिन में पूरी धरती की तस्वीरें लेगा। क्या खास है इस सैटेलाइट में- 2400 किलो वजन का यह सैटेलाइट इसरो के तेरह के स्ट्रक्चर पर बना है इसमें 12 मीटर का बड़ा एंटीना है, जो अंतरिक्ष में 9 मीटर लंबा बूम फैलाकर खुलेगा, दोनों रडार तकनीक मिलकर 240 किलोमीटर चौड़ाई तक तस्वीरें ले सकती हैं यह मिशन 5 साल तक काम करेगा और इसका डेटा सभी के लिए मुफ्त और खुला रहेगा। क्या-क्या जानकारी देगा? यह पृथ्वी की कक्षा में लॉन्च किया जाएगा, जो हर 12 दिन में पूरी धरती और ग्लेशियर का एनालिसिस करेगा। इससे मिले डाटा से पता लगाया जाएगा कि जंगल और वेटलैंड में कार्बन के रेगुलेशन में कितने अहम हैं। दरअसल, क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए जंगल और वेटलैंड काफी अहम हैं। इन्हीं की वजह से पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों का रेगुलेशन होता है। इसके साथ ही यह सैटेलाइट बवंडर, तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप, ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्री तूफान, जंगली आग, समुद्रों के जलस्तर में बढ़ोतरी, खेती, गीली धरती, बर्फ का कम होना आदि की पहले ही जानकारी दे देगा। इस सैटेलाइट से धरती के चारों ओर जमा हो रहे कचरे और धरती की ओर अंतरिक्ष से आने वाले खतरों की भी जानकारी मिल सकेगी। निसार से प्रकाश की कमी और इसमें बढ़ोतरी की भी जानकारी मिल पाएगी।चार फेज में पूरा होगा मिशन लॉन्च फेज - सैटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाना- डिप्लॉयमेंट फेज - एंटीना को फैलाना और सिस्टम चालू करना कमिशनिंग फेज - पहले 90 दिन में जांच और सेटिंग। साइंस फेज - पूरी तरह से विज्ञान से जुड़ा डेटा लेना शुरू। भारत की सीमाओं पर कड़ी नजर रखेगा इस सैटेलाइट से मिलने वाली हाई-रिजोल्यूशन की तस्वीरें हिमालय में ग्लेशियरों की निगरानी में भारत और अमेरिका की सरकारों की मदद करेंगी। यह चीन और पाकिस्तान से लगी भारत की सीमाओं पर कड़ी नजर रखने में भी सरकार की मदद कर सकता है।इसका उद्देश्य बेहतर योजना, कृषि और मौसम से संबंधित स्पेस इनपुट हासिल करना है। निसार में सिंथेटिक अपर्चर रडार लगा है, जो देश के किसी भी अन्य उपग्रहों से मिलने वाली तस्वीरों की तुलना में अत्यधिक हाई रिजोल्यूशन की इमेज भेजेगा। इसमें बादलों के पीछे और अंधेरे में भी देखने की क्षमता है। ये सबसे महंगे अर्थ इमेजिंग उपग्रहों में से एक होगा।

हरियाणा में सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या,छत्तीसगढ़ से 1 महीने की छुट्टी आया था,3 दिन पहले बेटा पैदा हुआ, पत्नी अभी अस्पताल में

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान की गोली

मारकर हत्या कर दी गई। हत्यारे रविवार की देर रात में उसे घर से बुलाकर ले गए और गोली मार दी।गोली की आवाज सुनते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो जवान उन्हें लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। परिजन तुरंत उसे अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते ही सदर गोहाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान गांव खेड़ी दमकन निवासी कृष्ण के रूप में हुई है।कृष्ण वर्तमान में छत्तीसगढ़ में तैनात था और एक महीने की छुट्टी लेकर घर आया था। जवान 2 बच्चों का पिता था, जिनमें से एक बच्चे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। उसकी पत्नी अभी भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हाल ही में जवान हरिद्वार से कांवड़ लेने गया था, जहां कुछ युवकों से उसका झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में उसकी हत्या करने की बात सामने आई है। फिलहाल, पुलिस ने खुलासे के लिए चार टीमों को लगाया है।11 साल पहले लगी नौकरी, 7 साल पहले शादी हुईः पुलिस के मुताबिक कृष्ण करीबन 11 साल पहले सीआरपीएफ में नौकरी लगा था। 7 साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद उसके दो बच्चे हैं। एक बच्चा करीब 6 साल का है, दूसरे बेटे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। अपनी पत्नी की डिलीवरी और अन्य काम को लेकर ही कृष्ण 16 जुलाई को 1 महीने की छुट्टी लेकर घर आया था। जवान का पूरा परिवार गांव में ही रहता है। कृष्ण का एक बड़ा भाई भी है।कांवड़ यात्रा लेकर हरिद्वार गया, युवकों से हुआ झगड़ा- एसीपी गोहाना ऋषिकांत के मुताबिक, सीआरपीएफ जवान कृष्ण 22 जुलाई को कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार गया था। यात्रा के दौरान गांव के ही कुछ युवकों के साथ उसकी कहासुनी हुई थी। बाद में विवाद बढ़ गया था, लेकिन इसके बाद सभी अपने घरों को लौट आए थे। कृष्ण ने शिवरात्रि पर गांव के ही शिवालय में जलाभिषेक भी किया था।रात में घर से बुलाकर ले गए, कई गोलियां मारीः पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गांव के ही कुछ युवकों ने कृष्ण को रविवार की देर रात करीब 1 बजे उसे घर से बाहर बुलाया था। जैसे ही कृष्ण कुमार बाहर आया, उस पर गोलियां चला दीं और फरार हो गए। गोली की आवाज सुनते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और खून से लथपथ कृष्ण को उठाकर तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।खानपुर मेडिकल कॉलेज में होगा पोस्टमॉर्टमः खेड़ी दमकन गांव में मर्डर की सूचना मिलते ही गोहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद फोरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया।

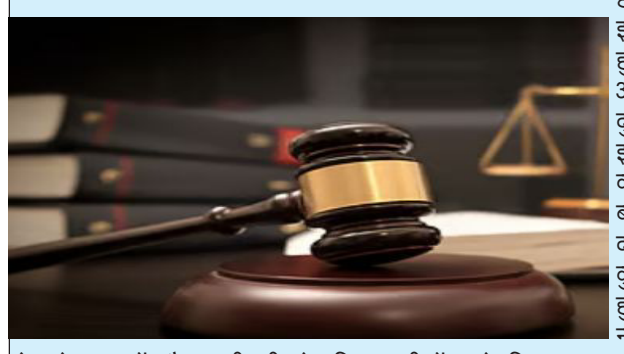

खबरे ज़रा हटके

मध्य प्रदेश को एमपी कहने पर केस क्यों हुआ?

हाल ही में मध्य प्रदेश को 'एमपी' या 'मप्र' कहने या लिखने पर रोक लगाने की मांग को लेकर जबलपुर हाई कोर्ट में पीआईएल दायर की गई।

इस याचिका को अदालत ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि बोलचाल में आसानी और समय बचाने के लिए दुनिया भर में संक्षिप्त नामों का इस्तेमाल होता है। इसलिए नाम छोटा करने से किसी जगह की पहचान नहीं बदलती, बल्कि आसान हो जाती है। दरअसल भोपाल में रहने वाले वरिंदर कुमार ने एक याचिका दायर करते हुए कहा कि उनके प्रदेश का संवैधानिक नाम 'मध्य प्रदेश' है, लेकिन 90फीसदी लोग बोलचाल में और 80फीसदी लोग लिखा-पढ़ी में इसके लिए 'मप्र' या 'एमपी' का प्रयोग करते हैं। इस पर रोक लगाने का निर्देश दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने पूछा- इस याचिका में जनहित की कौनसी बात चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि पीआईएल में जनहित की कौन सी बात है। इस पर शख्स नहीं बता पाया कि याचिका पर विचार किए जाने से कौनसा जनहित पूरा होगा। इसके बाद अदालत ने शख्स की याचिका को खारिज कर दिया।

जर्मन आर्मी में कॉकरोच-रोबोट की तैनाती क्यों?

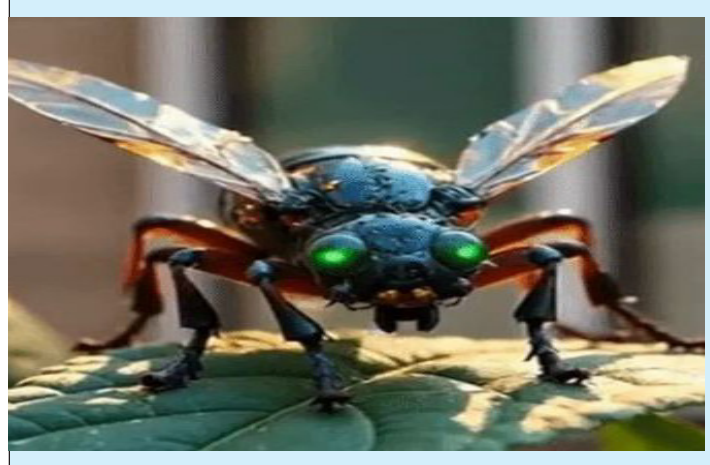

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अब जर्मनी ने फ्यूचर वॉरफेयर की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जासूसी कॉकरोच और एआई रोबोट तैयार किए जा रहे हैं, जिसे जल्द ही सेना में शामिल करने की तैयारी है।

ऐसे में 2029 तक जर्मनी अपना डिफेंस बजट करीब तीन गुना बढ़ाकर 162 अरब यूरो (यानी रु16.66 लाख करोड़) प्रति वर्ष करने की योजना बना रहा है। इस बजट का बड़ा हिस्सा एआई रोबोट, मानव रहित मिनी-पनडुब्बियां, और जासूसी कॉकरोच भी बनाए जा रहे हैं। इस नई तकनीकी को एआई से कंट्रोल करने के लिए ट्रेन किया जा रहा है। दरअसल जर्मनी का लक्ष्य यूरोप को तकनीकी रूप से डिफेंस में आत्मनिर्भर बनाना है। इस पर एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह कदम न केवल डिफेंस के लिए बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और इनोवेशन के लिए भी एक बड़ा कदम है।

रेलवे का सबसे महंगा 25 लाख का पेड़ कैसा है?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के वीआईपी एंट्री गेट पर एक ऐसा पेड़ लगा है जिसकी कीमत रु25 लाख होने का दावा किया जा रहा है।

यह अनोखा पेड़ थाईलैंड से इम्पोर्ट किया गया है, जो एक विदेशी किस्म का है। ये पेड़ देखने में काफी अट्रैक्टिव है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कीमती पेड़ के रखरखाव में हर महीने करीब रु5,000 खर्च होता है। इसमें हर महीने पेड़ के लिए रु2,500 का खास प्रोटीन आता है। यह पेड़ देश के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की शोभा बढ़ा रहा है, जिसे फिलहाल अमृत भारत स्टेशनों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

एयरपोर्ट के लाउंज में बैठने पर प्रॉपर्टी प्रूफ क्यों मांगा गया?

चीन के चेंगदू तियानफू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक VIP लाउंज ने अपने एंट्री नियमों को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। अब लाउंज में घुसने के लिए यात्रियों को कम से कम 20 मिलियन युआन (लगभग रु23 करोड़) की संपत्ति का सबूत दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। लाउंज का दावा है कि यह 'सर्विस की क्वालिटी' बनाए रखने के लिए है। यह मामला तब सामने आया जब एक चीनी सोशल मीडिया यूजर ने बताया कि 'गोल्डन सनफ्लावर' प्रोग्राम की क्लाइंट होने के बावजूद, उन्हें 20 मिलियन युआन की संपत्ति वेरिफाई करने को कहा गया है। इसमें संपत्ति और वाहन शामिल नहीं होंगे, सिर्फ फाइनेंशियल असेट ही मानी जाएगी। चीन में ये नियम जून 2024 से लागू है, जो सिर्फ तियानफू एयरपोर्ट के लिए है। यहां भीड़भाड़ ज्यादा रहती है।

अधिकारी को अंग्रेजी नहीं आई तो जांच के निर्देश क्यों?

उत्तराखंड में एक मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अधिकारी को अंग्रेजी न बोल पाने पर फटकार लगाई और जांच के निर्देश दिए। दरअसल, उत्तराखंड हाईकोर्ट में पंचायत वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने को लेकर फैमिली रजिस्टर की क्रेडिबिलिटी से जुड़े एक मामले की सुनवाई चल रही थी। तभी एडीएम विवेक राय ने हिंदी में जवाब दिया, तो कोर्ट ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अंग्रेजी आती है? इस पर विवेक राय ने जवाब दिया कि वह अंग्रेजी समझ तो लेते हैं, लेकिन बोल नहीं पाते। इस पर चीफ जस्टिस जी. नरेंद्र और जस्टिस आलोक माहरा की बेंच ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अंग्रेजी न जानने वाला अधिकारी इतने महत्वपूर्ण पद को अच्छे से संभाल सकता है? अब कोर्ट ने इस मामले में जांच के आदेश भी दिए हैं।

डिलीवरी के तीन दिन बाद स्मृति ईरानी की थी शूटिंग:मिसकैरेज के बाद प्रोडक्शन टीम ने कहा- झूठ बोल रही हैं, तो रिपोर्ट दिखानी पड़ी

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस स्मृति ईरानी ने हाल ही में बताया कि उन्हें अपने बेटे के जन्म के सिर्फ तीन दिन बाद ही टेलीविजन शो के सेट पर वापस जाना पड़ा था। राज शमानी के पॉडकास्ट में स्मृति ने बताया कि उनके शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की पॉपुलैरिटी इतनी ज्यादा थी कि दर्शक रोज रात 10:30 बजे नया एपिसोड देखना चाहते थे। इसी वजह से उन्हें जल्दी काम पर लौटना पड़ा। स्मृति ने बताया कि मिसकैरेज के बाद भी वह काम पर लौटीं। वो दो प्रोड्यूसर के साथ काम कर रही थीं। उस समय एक प्रोड्यूसर रवि चोपड़ा ने उन्हें एक हफ्ते की छुट्टी दी थी, लेकिन दूसरी प्रोड्यूसर एकता कपूर के पास ऐसा विकल्प नहीं था क्योंकि शो डेली टेलीकास्ट होता था। 'प्रोडक्शन की एक टीम मेंबर ने एकता से कहा कि हम शूटिंग के लिए तैयार हैं, लेकिन स्मृति ईरानी उपलब्ध नहीं हैं। वह झूठ बोल रही हैं। उनके साथ कुछ नहीं हुआ है। मुझे अस्पताल की रिपोर्ट लेकर आना पड़ा ताकि साबित कर सकूं कि मेरा मिसकैरेज हुआ है।' स्मृति ने ये भी बताया कि वह प्रेग्नेंसी के नौवें महीने तक काम कर रही थीं। उन्हें घर की शिफ्ट चुकानी थी, इसलिए उन्होंने लगातार दो शो किए, चाहे परिवार और डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी थी। हालांकि, जब वो अस्पताल में भर्ती हुईं तो उन्हें शो 'कुछ दिल से' से निकाल दिया गया था। स्मृति ने कहा- 'मैं डिलीवरी से एक दिन पहले तक शो (कुछ दिल से) की शूटिंग कर रही थी। फिर अस्पताल में भर्ती हुई और वहां से मुझे एक मैसेज मिला 'तुम्हें निकाल दिया गया है।' उन्होंने मेरे हॉस्पिटल में भर्ती होने का इंतजार किया और फिर मुझे हटा दिया।' स्मृति ने कहा कि शो की टीम ने पहले ही 30 दिन का कंटेंट शूट कर लिया था ताकि उन्हें हटाकर किसी और को लाया जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा थी कि मेरे काम का फायदा किसी और को मिले। स्मृति जल्द ही अपने मशहूर किरदार तुलसी वीरानी के साथ एक बार फिर क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में नजर आएंगी। यह शो 29 जुलाई से स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर शुरू होगा।

एक्ट्रेस रुचि गुर्जर के खिलाफ शिकायत दर्ज,डायरेक्टर को चप्पल से पीटा, गाली-गलौज की; अब लग रहे हैं धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग के आरोप

मुंबई। एक्ट्रेस रुचि गुर्जर के खिलाफ रविवार को अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई है। ये शिकायत डायरेक्टर मान सिंह ने उस इंसिडेंट के बाद दर्ज करवाई है, जब एक्ट्रेस ने उनकी फिल्म के प्रीमियर में उनकी चप्पल से पिटाई की थी। शिकायत में एक्ट्रेस समेत 6 लोगों का भी नाम दर्ज है।रुचि गुर्जर के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 118(1), 189(1), 189(2), 190, 191(1), 329(3), 351(2), 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। रुचि पर आरोप हैं कि वो जबरदस्ती फिल्म के प्रीमियर में अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ घुस आईं और जमकर हंगामा किया। यहां उन्होंने गाली-गलौज और मारपीट कर प्रीमियर में बाधा डालने की कोशिश की है।ये मामला 25 जुलाई का है, जब एक्ट्रेस ने अंधेरी वेस्ट स्थित सिनेपोलिस में पहुंचकर रात 9 बजे डायरेक्टर मान सिंह पर चप्पल से हमला किया था। यहां उनकी अपकमिंग फिल्म सो लॉन्ग वैली का प्रीमियर चल रहा था।25 जुलाई को प्रीमियर में हंगामा होने के बाद डायरेक्टर मान सिंह ने बातचीत में घटना की पूरी जानकारी देते हुए रुचि गुर्जर पर संगीन आरोप लगाए है। उन्होंने बताया है कि रुचि गुर्जर और प्रोड्यूसर करण सिंह के बीच सोनी टीवी के एक शो के सिलसिले में करीब 18 लाख रुपए का लेन-देन हुआ था। 2023 में दोनों के बीच पैसों का सेटलमेंट हुआ था, जिसके बाद दोनों अल्माटी, कजाकिस्तान ट्रिप पर गए थे। मान सिंह ने आरोप लगाया है कि रुचि गुर्जर, करण सिंह के साथ रिलेशनशिप में थीं। दोनों साथ घूमने गए थे, जिससे जुड़े सबूत भी मान सिंह ने दैनिक भास्कर के साथ शेयर किए हैं।इसके बाद रुचि ने करण पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए। रुचि का मानना था कि करण सिंह ने ये पैसे मान सिंह की फिल्म सो लॉन्ग वैली में लगा दिए। हालांकि मान सिंह साफ किया है कि करण ने उनकी फिल्म में कोई पैसे नहीं लगाए हैं, ये आरोप महज घटिया पब्लिसिटी के लिए लगाए जा रहे हैं। और ब्लैकमेल करने की कोशिश है। मान सिंह ने रुचि के आधार कार्ड और पासपोर्ट में अलग-अलग नाम होने पर भी सवाल खड़े किए हैं।विवाद बढ़ने के बाद करण सिंह ने ई-मेल और स्टेटमेंट के जरिए साफ किया है कि उन्होंने मान सिंह की फिल्म सो लॉन्ग वैली में पैसे नहीं लगाए हैं। करण के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करने के बाद रुचि गुर्जर ने फिल्म सो लॉन्ग वैली की रिलीज रुकवाने के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसी मामले में रुचि ने करण सिंह के अलावा मान सिंह और फिल्म के एक्टर्स का नाम भी घसीट लिया था। मान सिंह ने बयान जारी कर बताया है कि कोर्ट से क्लीयरेंस मिलने के बाद 25 जुलाई को फिल्म का प्रीमियर रखा गया था, जहां रुचि गुर्जर 20-22 लोगों के साथ घुस आईं और जमकर हंगामा किया। उन्होंने साफ किया है कि फिल्म सो लॉन्ग वैली में न तो करण सिंह और न ही रुचि के पैसे लगे हैं। रुचि ने करण सिंह के खिलाफ दर्ज करवाई थी धोखाधड़ी की शिकायत- रुचि गुर्जर ने 24 जुलाई को करण सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। ये शिकायत भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धाराएं 318(4), 352 और 351(2) के तहत दर्ज करवाई गई है। करण सिंह पर आरोप हैं कि उन्होंने एक टीवी शो में काम देने के बहाने से रुचि से 24 लाख रुपए लिए थे। शिकायत में रुचि के अनुसार बताया गया है कि उन्होंने जुलाई 2023 से जनवरी 2024 के बीच कई किश्तों में अपनी कंपनी एसआर इवेंट एंड एंटरटेनमेंट के माध्यम से करण की कंपनी 'के स्टूडियोज' को 24 लाख रुपए से अधिक की राशि ट्रांसफर की। रुचि इससे पहले तब सुर्खियों में आई थीं, जब कान्स फिल्म फेस्टिवल में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर वाला हार पहना था। उस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी थी।रुचि ने 'जब तू मेरी ना रही', 'हेली में चोर' और 'एक लड़की' जैसे कई हिंदी और हरियाणवी म्यूजिक वीडियो में काम किया है।

श्रावण मास में तनुश्री दत्ता ने खाया मटन,ट्रोल हुईं तो बोलीं- सनातन धर्म पर तर्क-वितर्क में मुझसे कोई नहीं जीत सकता

मुंबई। एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने बताया कि आयुर्वेद के अनुसार वह मटन खा रही हैं क्योंकि खाना शरीर के लिए औषधि की तरह होता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्रावण मास में व्रत रखा था और व्रत के बाद मटन खाना शुरू किया।वीडियो के कैप्शन में तनुश्री ने लिखा - 'अगर कोई आपको इतना परेशान कर दे कि आपकी मानसिक सेहत पर असर पड़े, तो सबसे पहले अपने खाने पर ध्यान दीजिए क्योंकि खाना ही दवा है! मेरी डाइट आयुर्वेद पर आधारित है, इसलिए मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि हालात चाहे जैसे भी हों, मैं फिट और फोकस्ड रहूं। आज मुझे अंदर से प्रेरणा मिली कि ये बात शेयर करूं मैंने आज श्रावण का व्रत रखा, शाम 7 बजे तक पानी पिया और फिर काली दाल, मटन और चावल बनाया।' तनुश्री ने आगे लिखा - 'धार्मिक व्रत बहुत सख्त नहीं होने चाहिए, उन्हें शरीर की जरूरत के हिसाब से बदला जा सकता है। मेरे लिए ये तरीका बेस्ट है व्रत भी पूरा, मानसिक ताकत भी बढ़े, फिर फास्ट ब्रेक में हाई प्रोटीन और पौष्टिक आहार भी ले लेती हूं ताकि बॉडी भी टॉप परफॉर्मिंग रहे। आपको कैसा लगा? कमेंट में बताएं!' इस वीडियो पर कुछ लोगों ने नाराजगी जताई। इसके जवाब में तनुश्री ने लिखा, 'बंगाल में सारे व्रत ऐसे ही होते हैं। हम लोग शाम तक सिर्फ पानी पर उपवास करते हैं, फिर सूर्यास्त के बाद देवी को दिया गया भोग खाते हैं जिसमें बकरी का मांस होता है। हर संस्कृति अलग होती है। किसी को भी जज नहीं करना चाहिए। पूरा वीडियो देखो फिर टिप्पणी करो।'इसके बाद उन्होंने एक और यूजर को जवाब दिया, जिसने उन पर मांस खाने को लेकर धर्म का सहारा लेने का आरोप लगाया था। किसी यूजर के धार्मिक कारणों का हवाला देने पे तनुश्री ने लिखा- 'क्या बकवास है? तुम देवी का अपमान कर रहे हो। तुम कोई लॉजिकल बात नहीं कर रहे। तांत्रिक-मांत्रिक?? पहले वीडियो देखो, फिर बोलो। लगता है तुम मानसिक रूप से अस्थिर हो। ये डाइट नेपाल में भी अपनाई जाती है, जहां हर घर में पशुपतिनाथ की पूजा होती है। सनातन धर्म पर तर्क-वितर्क में मुझसे कोई नहीं जीत सकता। मेरा ज्ञान और अनुभव भारत की सभी संस्कृतियों को शामिल करता है और तथ्यात्मक भी है। लोग बिना पूरी जानकारी के कुछ भी लिख देते हैं।हाल ही में तनुश्री ने एक वीडियो अपलोड किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें उनके ही घर में परेशान किया जा रहा है।

शेफाली जरीवाला के निधन के एक महीने:पति पराग ने भावुक होकर पालतु डॉग की तरफ से लिखा- सिंबा तुम्हारी मौजूदगी का एहसास कर सकता है

मुंबई। कांटा लगा गर्ल नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 27 जून को निधन हो गया था। आज एक्ट्रेस के निधन के एक महीने पूरे हो चुके हैं, जिस पर उनके पति पराग त्यागी ने एक भावुक पोस्ट शेयर की है। पराग ने बताया है कि शेफाली अपने पालतु डॉग सिंबा को बेटा मानती थीं और उससे काफी प्यार करती थीं। यही वजह है कि सिंबा शेफाली के न रहने पर भी उनकी मौजूदगी का एहसास कर सकता है। पराग ने अपने पालतु डॉग सिंबा की तरफ से लिखा है, 'सिंबा की तरफ से मॉम को। इस दुनिया की सबसे अच्छी मां के लिए। परी (शेफाली) अपने बेबी सिंबा से बहुत प्यार करती है और सिंबा अपनी मां से सबसे ज्यादा प्यार करता है। आज पूरे एक महीने हो गए हैं जब सिंबा ने तुम्हें देखा नहीं और फिजिकली छुआ नहीं है, लेकिन वो तुम्हें और उसके आसपास तुम्हारी मौजूदगी का एहसास कर सकता है। वो तुम्हारा प्यार, दुलार और मौजूदगी महसूस कर सकता है। मॉम खुश रहो और ब्लेस्ड रहो। आई लव यू इटरनली। मेरी मां के लिए दुआ करते रहिए। सभी बेहतरीन दोस्तों को बहुत सारा प्यार- सिंबा जरीवाला त्यागी।'इससे पहले भी पराग त्यागी ने शेफाली के लिए भावुक पोस्ट शेयर की लिखा, 'मैं शायद तुम्हें अपनी बाहों में नहीं पकड़ पा रहा हूं, लेकिन मैं हर लम्हे, हर मिनट हर दिन, रोज दिल में और आंखों में रखता हूं। ये रील उन सभी बेहतरीन दोस्तों के लिए है, जो वाकई परेशान हैं और सिंबा और मेरे लिए फिक्रमंद हैं। वो लगातार पूछते रहते हैं कि हम कैसे हैं। इसलिए आपके साथ अपने साथ के कुछ मूमेंट्स शेयर कर रहा हूं। और इसी तरह हम तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहे हैं। परी हमारे चारों ओर है। परी हमारे दिल में है, हमारी सांसों में है, हमारी आत्मा में है, हमारे शरीर की हर कोशिका में है। उससे प्यार करते रहो, उसके लिए प्रार्थना करते रहो। ईश्वर आप सभी का भला करे। परी की ओर से ढेर सारा प्यार।'बताते चलें कि कांटा लगा गर्ल नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 27 जून की देर रात निधन हो गया है। एक्ट्रेस महज 42 साल की थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उस रोज एक्ट्रेस ने व्रत रखा था। उन्होंने शाम को खाना खाकर एंटी-एजिंग टेबलेट्स ली थीं, जिसके बाद उनका ब्लड प्रेशर अचानक कम हो गया। फिलहाल एक्ट्रेस की मौत की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

फैन खुद का वीडियो बना रही थी,तभी पीछे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के एक्टर निकोलाज कोस्टर दिखे, बेंगलुरु के कैफे में इडली खा रहे थे

मुंबई। हॉलीवुड सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में 'जेमी लैनिस्टर' का किरदार निभाने वाले डेनिश एक्टर निकोलाज कोस्टर-वॉल्डाउ हाल ही में भारत दौरे पर पहुंचे। शनिवार को बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में उन्हें इडली खाते देखकर एक फैन चौंक गई। शकीरा नाम की एक कंटेंट क्रिएटर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें वह एक्टर के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं।शकीरा ने लिखा- ' मैं बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में थी। जब मैं खुद का वीडियो बना रही थी, तभी पीछे अचानक निकोलाज कोस्टर-वॉल्डाउ यानी जेमी लैनिस्टर खड़े दिखे। यह मेरे लिए स्टार-स्ट्रक मोमेंट था।' रामेश्वरम कैफे की ऑफिशियल इंस्टाग्राम पोस्ट में भी एक्टर के दौरे की जानकारी दी गई। पोस्ट में लिखा गया- ' राजाजीनगर स्थित द रामेश्वरम कैफे में एक स्टार से मुलाकात हुई। आज हमारे यहां निकोलाज कोस्टर-वॉल्डाउ और उनकी टीम आई। उनका आभार कि उन्होंने हमारे साउथ इंडियन स्वाद को चखा। यह दिन हमारे लिए खास रहा।' निकोलाज कोस्टर को हॉलीवुड में उनका पहला बड़ा ब्रेक 2001 में फिल्म ब्लैक हॉक डाउन से मिला, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सैनिक गैरी गॉर्डन का रोल निभाया था।निकोलाज ने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के अलावा 'हेडहंटर्स', 'स्टीलिंग रेम्ब्रांट', 'अ थाउजेंड टाइम्स गुड नाइट' जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

'सैयारा गर्ल' अनीत पड्डा मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं:मास्क उतारने के सवाल पर बोलीं -'मुझे शर्म आ रही है'

मुंबई। फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दो हफ्तों में ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड करीब 300 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। इसी बीच शनिवार को फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वह सिंगापुर जाते हुए नजर आईं। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम एक छोटी सेलिब्रेशन ट्रिप पर जा रही है। सेलेब्रिटी फोटोग्राफर स्नेहजाला के मुताबिक, फिल्म की टीम सिंगापुर में फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने की प्लानिंग की है। एयरपोर्ट पर अनीत ने कुछ समय के लिए मीडिया से बात की। उन्होंने नीली शर्ट, ब्लैक कैप और फेस मास्क पहना था।जब फोटोग्राफर्स ने अनीत से मास्क हटाने को कहा, तो उन्होंने थोड़ी देर के लिए ऐसा किया लेकिन फिर मास्क वापस पहनते हुए बोलीं - 'मुझे थोड़ी शर्म आ रही है।' इसके बाद भी जब फोटोग्राफर्स ने कहा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए मना कर दिया।एयरपोर्ट पर अनीत ने फैंस के साथ तस्वीरें भी क्लिक करवाईं।अनीत को इससे पहले 23 जुलाई को मुंबई में एक सैलून के बाहर स्पॉट किया गया था। मास्क पहने अनीत भीड़ और फोटोग्राफर्स को देखकर घबरा गईं और तुरंत कार में बैठ गईं। उन्होंने एक फैन के साथ सेल्फी क्लिक करवाने से भी मना कर दिया था।टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स के साथ ओटीटी रिलीज के लिए डील साइन कर ली है, लेकिन थिएटर में फिल्म की अच्छी कमाई को देखते हुए डिजिटल प्रीमियर को फिलहाल टाल दिया गया है। अब उम्मीद की जा रही है कि फिल्म दीवाली के आसपास नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म 18 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी।

'काश मैं ये पहले मान लेता',सलमान खान को पिता की सीख न मानने का पछतावा, कहा- बार-बार दोहराई जाने वाली गलतियां आदत बन जाती हैं

मुंबई। सलमान खान ने हाल ही में पिता सलीम खान की दी हुई सीख को देरी से मानने पर पछतावा जाहिर किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बार-बार गलतियां दोहराने से ये आदत बन जाती हैं। हाल ही में सलमान खान ने अपने ऑफिशियल एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर लिखा है, 'वर्तमान हमारा पास्ट बन जाता है और पास्ट ही हमारा भविष्य बन जाता है। वर्तमान एक तोहफा है, इसलिए इसके साथ अच्छा करें। बार बार दोहराई जाने वाली गलतियां आदत बन जाती हैं और फिर ये किरदार बन जाती हैं। किसी और को दोष मत दीजिए। कोई भी आपको वो करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, जो आप नहीं करना चाहते हैं। मेरे पिता ने मुझसे ये कहा था और ये कितना सच है। काश मैं ये पहले सुन लेना, लेकिन अब भी देर नहीं हुई है।'बताते चलें कि सलमान खान पिता सलीम खान से बेहद करीब हैं। हालांकि एक समय ऐसा था, जब सलमान की एक्टर बनने की ख्वाहिश सुनकर सलीम खान ने उन्हें गधा कह दिया था। दरअसल, सलमान के पिता उन्हें एक्टर नहीं बल्कि क्रिकेटर बनाना चाहते थे। इसके लिए सलीम साहब ने पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर सलीम दुर्रानी को सलमान का ट्रेनर बना दिया। सलमान को क्रिकेट में रुचि नहीं थी लेकिन वो अच्छा खेलते थे। एक दिन उनके पिता उनका मैच देखने स्टेडियम आए। सलमान जानते थे कि अगर उन्होंने अच्छी परफॉर्मेंस दी तो उन्हें हमेशा क्रिकेट खेलना पड़ेगा। सलमान रोजाना 9 बजे के स्कूल टाइम से महज आधे घंटे पहले सुबह उठा करते थे लेकिन अगर वो क्रिकेट खेलते तो इसके लिए उन्हें सुबह 5 बजे उठना पड़ता। ये सोचकर सलमान ने जानबूझकर पिता के सामने इतनी खराब परफॉर्मेंस दी की उन्हें क्रिकेट से हटा दिया गया।कुछ समय बाद सलमान ने 1989 की फिल्म बीवी हो तो ऐसी से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। सलमान को इस फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस इतनी बुरी लगी कि वो चाहते थे कि फिल्म फ्लॉप हो जाए और इसे कोई न देखे। पहली फिल्म से नाखुश होकर सलमान ने अपने पिता सलीम खान से विनती की कि वे एक फिल्म बनाकर उन्हें दोबारा लॉन्च करें। लेकिन सलीम खान ने जवाब दिया- 'इंदौर से मुंबई आकर मैंने कभी घोड़े पर पैसे नहीं लगाए, फिर गधे पर कैसे लगा सकता हूं' हालांकि, कुछ समय बाद ही सलमान खान को सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया मिली, जिससे वो रातोंरात स्टार बन गए। बताते चलें कि सलमान की फिल्म सिकंदर इसी साल रिलीज हुई है, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब जल्द ही सलमान फिल्म बैटल ऑफ गलवान में नजर आने वाले हैं।

ट्रोलर्स बोले- शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो,जरीन खान ने ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए कहा- इससे फिर जवान हो जाऊंगी क्या, इसका मतलब क्या है

मुंबई। एक्ट्रेस जरीन खान ने एज शेमिंग कर रहे उस ट्रोलर को फटकार लगाई है, जिसने उन्हें कहा है कि शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो। एक्ट्रेस ने ट्रोलर को जमकर फटकार लगाई और शादी पर भी अपनी राय रखी। जरीन खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, 'हाय, मैंने कुछ कमेंट्स पढ़े हैं, अपने वीडियो पर, अपनी पोस्ट पर। एक कमेंट है, जो बहुत ज्यादा अलग था। पता है कौन सा 'शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो', तो क्या शादी करने के बाद मैं फिर से जवान हो जाऊंगी। इसका आखिर मतलब क्या है (हंसते हुए)।'आगे एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे समझ नहीं आता कि ये हमारी कंट्री में ही है या यूनिवर्सल प्रॉब्लम है। किसी तरह शादी को हर चीज का सोल्यूशन माना जाता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।